CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 286 ता. 20 मई 2022, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

यूपी की विधानसभा हुई हाईटेक

सीएम योगी ने किया ई-विधान का लोकार्पण; बदला-बदला दिखेगा सदन का नजारा

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधान सभा गैलरी के सौंदर्यीकरण के कामों और ई-विधान का लोकार्पण किया। इसके साथ ही विधानसभा की कार्यवाही के पेपरलेस होने का रास्ता साफ हो गया है। इसे पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकार का बड़ा कदम माना जा रहा है। ई-विधान के जरिए यूपी विधानसभा की कार्यवाही का ऑनलाइन संचालन किया जाएगा। हर विधायक की सीट के सामने मेज पर सिस्टम लगाया गया है। पहले सत्र से ही सदन का बदला हुआ नजारा दिखेगा। ई-विधान के लोकार्पण के दौरान आज विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे। बता दें कि पिछले दिनों विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने इस सम्बन्ध में एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी। नया सिस्टम लागू होने के बाद यूपी विधानसभा हाईटेक और डिजिटल होगा। इससे न सिर्फ विधानसभा के सभी विभागों को आपस में जोड़ पाएंगे बल्कि के इसके सोशल मीडिया पर भी काम होगा। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बताया था कि देश की सभी विधानसभाएं एक ही पोर्टल से जुड़ जाएंगी तो जितने भी एजेंडे, नोटिस, प्रश्न और उनके उत्तर होंगे वे सब उसी पर होंगे। इसके अलावा बिल भी इस पर ही दिखाया जाएगा। अब तक यदि कोई प्रश्न करता था तो उसे हर प्रश्न को

पहले सम्बन्धित विभाग को भेजना होता था और उसके बाद उसका जवाब आता था। ई-विधान सिस्टम लागू होने के बाद यह समस्या खत्म हो जाएगी। यूपी ई-विधान सिस्टम से चलने वाली देश की पहली विधानसभा है। ई-विधान के साथ ही सीएम योगी ने विधानभवन की गैलरी में कराए गए सुंदरीकरण के कामों का लोकार्पण भी किया। इसके तहत गैलरी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पंडित मदन मोहन मालवीय, वीरांगना लक्ष्मीबाई, महात्मा गांधी, सरोजिनी नायडू, चंद्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह, बाल गंगाधर तिलक, मंगल पाण्डेय और टीपू सुल्तान की तस्वीरें लगाई गई हैं।

झांसी में दादी-पोते की मौत

झांसी। झांसी-मऊरानीपुर हाइवे पर एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े दादी-पोते को कुचल दिया। पोते की मौके पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल दादी को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। हां बृहस्पतिवार सुबह उनकी भी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक सकरार के भिटोरा निवासी माया राम अहिरवार की पत्नी बूंदा देवी (70) अहिरवार अपने पोते हर्ष (10) के साथ बुधवार शाम को भांजी की शादी में शामिल होने के लिए निकली थी। वह दोनों झांसी मऊरानीपुर हाईवे पर खड़े होकर बस का इंतजार कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि शाम करीब 5:30 बजे एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े दादी पोते को हुए कुचलते हुए निकल गई।

सपा सांसद का विवादित बयान, कहा: ज्ञानवापी को सील किया तो कई जाने कुर्बान जाएंगी

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद का मुद्दा इस कदर छाया हुआ है, कि अब इस पर राजनीति और भड़काऊ बयानबाजी की भी कमी नहीं हो रही है। ज्ञानवापी मामले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बाद अब उनकी पार्टी के एक और नेता का इस मामले में बयान आया है। अक्सर अपने विवादित बयानों की वजह से चर्चा में रहने वाले संभल से सपा नेता शफीकुर्रहमान बर्क का ज्ञानवापी मामले पर भड़काऊ बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद पर कब्जा हम बर्दास्त नहीं करेंगे। अगर ज्ञानवापी को सील किया जाएगा तो कई जाने कुर्बान जाएंगी। शफीकुर्रहमान बर्क ने पत्रकार के ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिलने वाले सवाल का जवाब देते हुए कहा कि ये बिल्कुल झूठ है, बिल्कुल गलत है। ये सरकार की पॉलिसी मुल्क के खिलाफ है। मुस्लमानों के खिलाफ नफरत फैलाई जा रही है। इसके बाद मस्जिद को सील करने की बात पर सपा सांसद ने कहा कि कोई मस्जिद की सीलिंग नहीं कर सकता है। हमारी जान कुर्बान हो जाएंगी इस पर। यह मामला ज्ञानवापी मस्जिद में हिंदू देवी-देवताओं के साक्ष्य होने को लेकर है, जिसमें अब कई नेता भी आमने-सामने आने लगे हैं। इस पूरे मसले को लेकर हिंदू पक्ष का मानना है कि मस्जिद में शिवलिंग मौजूद है, तो ऐसे में मस्जिद को सील कर उसको हिंदुओं को सौंपकर मंदिर निर्माण की अनुमति देनी चाहिए। वहीं, दूसरी तरफ मुस्लिम पक्ष इन सब बातों से इनकार कर रहा है।

विश्वविद्यालयों को शाह ने दी नसीहत

'पीएम ने चुटकी में खत्म कर दी 370, कंकड़ भी नहीं चले'

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में साफ शब्दों में कहा कि विश्वविद्यालयों को वैचारिक संघर्ष का अखाड़ा नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने चुटकी में अनुच्छेद 370 खत्म कर दिया। लोग कहते थे कि खून की नदियां बह जाएंगी, लेकिन जम्मू कश्मीर में कंकड़ भी नहीं चले। डीयू में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि विश्वविद्यालयों को विचारों के आदान-प्रदान का मंच बनना चाहिए, न कि वैचारिक संघर्ष का स्थान। देश की रक्षा नीति का जिक्र करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार बनने से पहले देश की कोई रक्षा नीति नहीं थी और यदि वह थी भी तो मात्र विदेशी नीति की छाया के रूप में। सेना द्वारा की गई सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि भारत ने इनके जरिए बता दिया कि भारत की रक्षा नीति का क्या मतलब है। इसके पहले आर्तकियों को हम पर हमले के लिए भेजा जाता था, उरी व पुलवामा हमले भी वैसे ही थे, लेकिन सर्जिकल व एयर स्ट्राइक ने देश की रक्षा नीति के मायने स्पष्ट कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर पूर्व के 75 फीसदी हिस्से से अफस्पा हटा दिया गया है। यह उन लोगों को जवाब है, जो इसे मानवाधिकारों के नाम पर हटाने की मांग कर रहे थे। वे आर्तकियों के मानवाधिकारों की बात करते थे, लेकिन मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जो लोग आर्तकवाद के कारण मारे गए, उनके भी तो मानव अधिकार थे। गृह मंत्री शाह ने कहा कि देश में 2014 से लगातार परिवर्तन हुआ है। इसका वाहक दिल्ली विश्वविद्यालय बने। चंद्रशेखर आजाद भी इस विश्वविद्यालय में रहे। मैं मानता हूं यह यूनिवर्सिटी आने वाले वर्षों तक अपनी पहचान बनाएं रखे। शाह ने कहा कि कुछ लोगों ने स्वराज को 'राज' तक सीमित कर दिया, जबकि ध्यान 'स्व' पर देना चाहिए था।

पंजाब को 2000 अतिरिक्त अर्धसैनिक बल दे रहा है केंद्र, शाह से मिलने के बाद बोले मान

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार पंजाब को 2000 अतिरिक्त अर्धसैनिक बल दे रहा है। मान का यह बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से आज हुई मुलाकात के बाद आया है। मान ने कहा कि पंजाब में सुरक्षा बढ़ाने के लिए इन अर्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया जाएगा क्योंकि नियमित इनपुट मिले हैं कि कुछ तत्व राज्य में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। अमित शाह से मुलाकात के बाद मान केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। मान ने मीडिया से कहा नियमित इनपुट मिलते रहे हैं कि कुछ बदमाश पंजाब में परेशानी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मान ने कहा कि मैंने गृह मंत्री से राज्य की सुरक्षा केलिए अतिरिक्त बलों की मंजूरी देने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनियां पहले ही पंजाब पहुंच चुकी हैं। जबकि अन्य 10 कंपनियों को केंद्रीय गृह मंत्रालय जल्द ही मंजूरी देगा। अर्धसैनिक बलों की एक कंपनी करीब 100 जवान होते हैं। मान ने कहा कि गृह मंत्री ने उनसे कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं है कि और यह दलगत राजनीति से ऊपर है और केंद्र सरकार पंजाब सरकार को हर संभव मदद मुहैया कराएगी। मुख्यमंत्री नेकहा कि उन्होंने ड्रोन के जरिए सीमा पार से हथियारों की आपूर्ति के बारे में गृह मंत्री को अवगत करा दिया है और इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार से मदद मांगी है।

एक्सपोर्ट बैन के बाद मिस्र को भेजा गया गेहूं

भारत से गुहार लगा रहे दर्जनभर देश

नई दिल्ली। भारत के गेहूं पर निर्यात पर रोक लगाने के बाद यूरोप में खलबली मची हुई है। एक्सपोर्ट बैन के बाद भारत ने मिस्र को 61,500 टन गेहूं भेजा है। वहीं दर्जनों देशों ने भारत के सामने गेहूं के लिए गुहार लगाई है। मिस्र को कुल जितना गेहूं भेजा जाना था उसमें से 17160 टन गेहूं को कस्टम्स ने बैन के बाद मंजूरी दी थी। हालांकि बाकी सभी जरूरी औपचारिकताएं बैन लगने से पहले ही पूरी हो गई थीं। इस खेप को मिस्र ले जाने वाले मेरा इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड को एक्सपोर्ट बैन के बाद कस्टम की मंजूरी मिली थी। हालांकि गेहूं पहले ही लोड हो चुका था। 17 मई को यह गुजरात के कांडला पोर्ट से चल चुका था। बता दें कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक देश है। 13 मई को सरकार ने देश के अंदर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने का फैसला किया था। अगर कोई देश खाद्यान्न के संकट से जूझ रहा हो और वह भारत से रिक्वेस्ट करता है तो उसे मदद की तौर पर गेहूं भेजा जा सकता है। अधिकारी ने कहा कि संकट से जूझ रहे कुछ देशों का निवेदन भारत स्वीकार भी कर सकता है। हालांकि उन्होंने किसी देश का नाम लेने से इनकार कर दिया। बता दें कि पिछले पांच साल के रेकॉर्ड पैदावार के बाद भारत में भी पहली बार उत्पादन में कमी देखी गई है। निर्यात पर रोक लगाए जाने से पहले ही भारत ने 45 करोड़ टन गेहूं के निर्यात का अनुबंध कर लिया था। यूक्रेन पर रूस के हमले की वजह से दुनियाभर में गेहूं की किल्लत हो गई है। अप्रैल 2022 में भारत के व्यापारियों ने 14 करोड़ गेहूं विदेश को बेचा था। व्यापारियों ने दुनियाभर में गेहूं की बढ़ती मांग का फायदा उठाया था। भारत ने पिछले वित्त वर्ष में रेकॉर्ड 78.5 करोड़ टन का निर्यात किया था।

भारतीय सेना की तीनों शाखाओं के कमांडर्स के तीन दिवसीय सम्मेलन का समापन, जानें किन मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। शिलांग में पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल डीके पटनायक ने भारतीय सेना की तीनों शाखाओं के पूर्वी कमांडर्स-इन-चीफ के तीन दिवसीय सुरक्षा समीक्षा सम्मेलन की अध्यक्षता की। गुरुवार को पूर्वी वायु कमान के मुख्यालय पर आयोजित सम्मेलन का समापन हुआ। एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान देश के पूर्वी भाग में अभियान संबंधी मुद्दों और सेना की विभिन्न शाखाओं की बीच परस्पर तालमेल के तरीकों पर समीक्षा की गई। बैठक में वायु सेना, नौसेना और थल सेना के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। अंडमान और निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अजय सिंह, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ पूर्वी नौसेना कमान वाइस एडमिरल बी दासगुप्ता और जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ पूर्वी कमान लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता ने बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि बैठक में कमांडरों ने एक दूसरे की ताकत और अपने-अपने क्षेत्रों में चलाए अभियान की विशिष्टता के बारे में चर्चा की।

रोड रेज मामले में नवजोत सिंह सिद्धू को एक साल की सजा, 1988 का है मामला

नई दिल्ली। पूर्व पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को एक साल जेल की सजा सुनाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 1988 रोड रेज मामले में नवजोत सिंह सिद्धू को एक साल की कैद की सजा सुनाई। बता दें कि रोडरेज मामले में नवजोत सिंह सिद्धू की सजा बढ़ाने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है। पीड़ित परिवार की ओर से इस मामले में पुनर्विचार याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने नवजोत सिंह सिद्धू को बरी करने के अपने मई 2018 के आदेश की समीक्षा की है। आदेश के अनुसार सिद्धू को पंजाब पुलिस हिरासत में लेगी। सिद्धू को आईपीसी की धारा 323 के तहत अधिकतम संभव सजा दी गई है। यह फैसला जस्टिस चेलमेश्वर और जस्टिस संजय किशन कौल की डिवीजन बेंच ने दिया। शीर्ष अदालत ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के उस फैसले को रद्द कर दिया था जिसमें उन्हें गैर इरादतन हत्या का दोषी ठहराया गया था। उच्च न्यायालय ने सिद्धू और एक अन्य आरोपी को तीन साल की कैद और प्रत्येक को एक लाख रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई थी। नवजोत सिद्धू का वर्ष 1988 में पटियाला में पार्किंग को लेकर झगड़ा हुआ था जिसमें एक बुजुर्ग की मौत हो गई थी। इस मामले में पहले सुप्रीम कोर्ट ने सिद्धू को 1 हजार का जुमार्ना लगाकर छोड़ दिया था। भारतीय दंड संहिता की धारा 323 के अनुसार, जो भी व्यक्ति (धारा 334 में दिए गए मामलों के सिवा) जानबूझ कर किसी को स्वेच्छा से चोट पहुँचाता है, उसे अधिकतम एक साल जेल की सजा का प्रावधान है।

एलपीजी की बढती कीमतों पर कांग्रेस का केंद्र पर निशाना, कहा- मोदी सरकार किश्तों में कर रही है ईंधन लूट

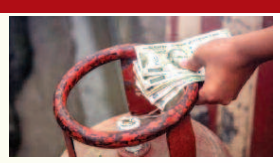

नई दिल्ली। रसोई गैस एलपीजी की लगातार बढ़ रही कीमतों को लेकर गुरुवार को कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा। भाजपा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कांग्रेस ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार की "ईंधन लूट" हर दिन, छोटी या बड़ी किश्तों में हो रही है। केंद्र की आलोचना करते हुए कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 45 दिनों में 100 रुपये की वृद्धि के बाद फिर से गैस के दामों में 3.5 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने गुरुवार को एक के बाद एक कई ट्वीट करके भाजपा सरकार पर तंज कसा। उन्होंने हिंदी में ट्वीट करते हुए कहा कि कामर्शियल सिलेंडर की कीमत में 60 दिनों में 457.5 रुपये की बढोतरी हुई है। इसके बावजूद इसमें फिर से आठ रुपये बढ़ा दिए गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मोदी सरकार ने करीब दो करोड़ परिवारों के लिए दूसरी बार सिलिंडर भरना असंभव कर दिया है। इसके बाद भी मोदी सरकार की ईंधन की लूट हर दिन छोटी या बड़ी किश्तों में जारी है। इतना ही नहीं कांग्रेस नेता ने रुपये की गिरावट को लेकर भी केंद्र पर हमला बोला। गुरुवार को शुरूआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह 12 पैसे फिसलकर 77.74 पर आ गया है। सुरजेवाला ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि 'द ? 'फॉल्स' फिर से ! रुपया, पेट्रोल और गैस सिलेंडर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। हर भारतीय चिंतित है, क्या पीएम-एफएम 'देखभाल' करते हैं? गैस सिलेंडर अब 1,003 रुपये 'नॉट आउट' ! सभी गृहिणियों की ओर से - धन्यवाद आप मोदी जी !' गौरतलब है कि राज्य के स्वामित्व वाले ईंधन खुदरा विक्रेताओं की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, गैर-सब्सिडी वाले एलपीजी की कीमत अब दिल्ली में 1,003 रुपये प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर है, जो पहले 999.5 रुपये थी। यह इस महीने रसोई गैस की दर में दूसरी और दो महीने से भी कम समय में तीसरी वृद्धि है। 22 मार्च को कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर और फिर 7 मई को समान मात्रा में बढ़ोतरी की गई थी। वहीं, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए महिला कांग्रेस प्रमुख नेट्टा डिसूजा ने कहा कि आंकड़ों पर नजर डालें तो कांग्रेस के समय में डीजल और पेट्रोल पर सब्सिडी दी जाती थी और पिछले आठ सालों में इस सरकार ने लोगों की जेब से 27.5 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं। इस दौरान उन्होंने सवाल किया कि गैस की बढ़ती कीमतों से त्रस्त महिलाएं अपना घर कैसे चला सकती हैं।

सार समाचार

दिल्ली सरकार को झटका, कोर्ट ने 'मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना' को किया रद्द

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा शुरू की गई घर-घर राशन पहुंचाने की योजना को बृहस्पतिवार को रद्द कर दिया। उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना को चुनौती वाली राशन डीलरों की दो याचिकाओं को मंजूरी दी थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन संघी और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने कहा कि घर-घर चीजें पहुंचाने के लिए दिल्ली सरकार कोई और योजना लाने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन वह केंद्र सरकार की ओर से उपलब्ध कराए गए अनाज का इस्तेमाल घर-घर पहुंचाने की योजना के लिए नहीं कर सकती। दिल्ली सरकारी राशन डीलर्स संघ और दिल्ली राशन डीलर्स यूनियन की ओर से दायर याचिकाओं पर उच्च न्यायालय ने 10 जनवरी को आदेश सुरक्षित रख लिया था।

अलगाववादी नेता यासीन मलिक दोषी करार, 25 मई से सजा पर होगी बहस

नयी दिल्ली। कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक को गुरुवार को दिल्ली की एक एनआईए अदालत ने टेरर फंडिंग मामले में दोषी ठहराया था। इस मामले में कितनी सजा की मिलेगी इस पर बहस 25 मई को होगी। मलिक को अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख से पहले अपनी वित्तीय संपत्ति पर एक हलफनामा प्रस्तुत करने के लिए भी कहा था। इस महीने की शुरूआत में

मलिक ने 2017 में घाटी को परेशान करने वाले आतंकवाद और अलगाववादी गतिविधियों के मामले में अदालत के समक्ष कड़े गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) सहित सभी आरोपों के लिए दोषी ठहराया था। जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी नेता ने कथित तौर पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोपों के लिए दोषी ठहराया था। विशेष न्यायाधीश प्रवीण सिंह मलिक के खिलाफ लगाए गए अपराधों के लिए सजा की मात्रा के संबंध में दलीलें सुनेंगे। मलिक पर यूएपीए की धारा 16 (आतंकवादी अधिनियम), 17 (आतंकवादी अधिनियम के लिए धन जुटाना), 18 (आतंकवादी कृत्य करने की साजिश), और 20 (आतंकवादी गिरोह या संगठन का सदस्य होने) आपराधिक साजिश) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 124-ए (देशद्रोह)और धारा 120-बी के तहत आरोप लगाया गया है। मलिक ने कथित तौर पर अदालत के समक्ष आरोपों का विरोध नहीं किया। जिन धाराओं में यासीन के खिलाफ मामला दर्ज है, ऐसे में उसको अधिकतम आजीवन कारावास की सजा मिल सकती है। यासीन मलिक कश्मीर की राजनीति में सक्रिय रहा है। युवाओं को भड़काने में उसका अहम हाथ माना जाता है।

80 वर्षीय वृद्धा के दुष्कर्म और हत्या के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उम्रकैद की सजा रखी बरकरार

प्रयागराज । इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गौतमबुद्ध नगर की 80 वर्षीय की वृद्धा से दुष्कर्म और हत्या के मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि रिश्ता या संबंध गवाह की विश्वसनीयता को प्रभावित करने वाला कारक नहीं है। हाईकोर्ट ने इसी के साथ 80 साल की वृद्धा से रेप कर उसकी हत्या कर देने की मामले में आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि क्योंकि परिवार के सदस्यों की गवाह के रूप में जांच करने पर कानून में कोई रोक नहीं है। गवाह के साक्ष्य पर भरोसा किया जा सकता है बशर्ते उसकी विश्वसनीयता भरोसेमंद हो। यह आदेश जस्टिस सुनीत कुमार और जस्टिस विक्रम डी. चौहान की खंडपीठ ने याची मनवीर की अपील को खारिज करते हुए दिया है। मामले में आरोपी के खिलाफ गौतमबुद्धनगर के सेक्टर 49 में 80 वर्षीय वृद्ध महिला की रेप के बाद उसकी हत्या के आरोप में 2006 में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। सत्र न्यायालय ने 6 दिसंबर 2007 को दिए आदेश में दोषी मानते हुए उम्रकैद और 10 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई थी। याची ने सत्र न्यायालय के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी का अपने कमरे में जाना शिकायतकर्ता (वादी मुकदमा) और उसके परिवार के सदस्यों को देखने के बाद और उसके कमरे को बंद करना साक्ष्य अधिनियम की धारा 8 के तहत एक प्रासंगिक तथ्य था, जिससे इंगित होता है कि आरोपी अपराध का दोषी है। आरोपी की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई कि मामले में दोनों गवाह पीड़िता के रिश्तेदार हैं। इसलिए उनकी गवाही पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि गवाह मृतक के परिवार के सदस्य होने के नाते आरोपी को झूठा फंसाने की संभावना रखते हैं, यह मामले में आधार नहीं हो सकता है और इस आधार पर उनके साक्ष्य को खारिज नहीं किया जा सकता है। रिश्ते एक गवाह की विश्वसनीयता को प्रभावित करने वाला कारक नहीं है। अक्सर ऐसा नहीं होता है कि एक रिश्ता वास्तविक अपराधी को छुपाता नहीं है और एक निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ आरोप लगाता है। कोर्ट ने कहा कि परिवार के सदस्यों की गवाह के रूप में जांच करने पर कानून में कोई रोक नहीं है। घटना ऐसी जगह पर हुई जहां स्वतंत्र गवाह उपलब्ध नहीं हो सकता है। रिश्तेदार ही गवाह हो सकते हैं। कोर्ट ने तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए सत्र न्यायालय के फैसले को सही ठहराते हुए याचिका को खारिज कर दिया।

देश में 'तुगलकी राज' चला रही भाजपा, किसी के पास नहीं है स्वतंत्रता का अधिकार: ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने झाड़ग्राम में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा देश में तुगलकी राज चला रही है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर सारे

अधिकार खत्म करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसी के भी पास स्वतंत्रता का अधिकार नहीं है, भाजपा ने सारे अधिकार खत्म कर दिए हैं।

भाजपा पर बरसीं ममता

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस मां माटी मानुष की पार्टी है... ये भाजपा की पार्टी नहीं है। भाजपा तो देश में 'तुगलकी राज' चला रही है, केंद्रीय एजेंसी के जरिए भाजपा 'तुगलगी कांड' चला रही है। किसी के भी पास स्वतंत्रता का अधिकार नहीं है, भाजपा ने सारे अधिकार खत्म कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण संस्थानों में भाजपा के लोगों के अलावा कोई भी नहीं जा सकता। मैं धीरे-धीरे चैप्टर खोलूंगी जोकि मैंने अभी तक नहीं खोला। किसी की गलती पर उन्हें सही किया जाता है...। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रिया से सही करने की जरुरत है लेकिन बल के आधार पर अगर भाजपा सोचेगी कि वे तृणमूल कांग्रेस को झुका देंगे तो ऐसा नहीं होगा। इससे पहले उन्होंने आरोप लगाया था कि झाड़ग्राम जिले में लोग माओवादी के नाम से पोस्टर लगाकर दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि जिले में कोई माओवादी नहीं है। उन्होंने दावा किया था कि माओवादियों के नाम वाले पोस्टर हाल में जंगलमहल में कई स्थानों पर दिखाई दिए, जहां कभी चरमपंथी सक्रिय हुआ करते थे। उन्होंने बताया था कि उन्होंने कुछ पोस्टरों की विश्वसनियता की जांच की है, जिसमें कोई सच्चाई नहीं है।

बिगड़ा मौसम का मिजाज, उत्तर भारत में गर्मी का कहर, दक्षिण भारत में भारी बारिश का कोहराम

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

इन दिनों मौसम का मिजाज बिगड़ा नजर आ रहा है एक और उत्तर भारत के कुछ राज्य भीषण गर्मी और लू से परेशान हैं, तो कई राज्यों में भारी बारिश ने कोहराम मचा रखा है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा जैसे राज्यों में तापमान 45 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। वहीं, असम, बेंगलुरु और केरल जैसे राज्यों में बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। उत्तर भारत के कई राज्यों में गर्मी अभी कुछ दिन और परेशान करने वाली है। अगर दिल्ली के तापमान की बात करें तो देश की राजधानी में आज 19 मई को न्यूनतम तापमान 30 डिग्री और अधिकतम तापमान 44 डिग्री रह सकता है। दिल्ली में आनेवाले कुछ दिन तापमान 40 से 45 डिग्री के बीच रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश में गर्मी से राहत के आसार अभी नहीं दिख रहे है। राजधानी लखनऊ में आज न्यूनतम तापमान 28 डिग्री और अधिकतम तापमान 42 डिग्री रह सकता है। वहीं, गाजियाबाद में आज न्यूनतम तापमान 26 डिग्री और अधिकतम तापमान 41 डिग्री रह सकता है।

हिमाचल प्रदेश में गुरुवार को मौसम साफ रहने की संभावना जताई गई है, जिससे तापमान में वृद्धि होगी। दो दिन कई स्थानों पर हुई बारिश ने दिलाई थी गर्मी से राहत। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में 20 मई से मौसम एक बार फिर बदलेगा। कई जगहों पर बारिश व ओले गिरने की भी चेतावनी है। उत्तराखंड के पांच जिलों में बारिश के आसार। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि आने वाले 24 घंटे में उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर व पिथौरागढ़ जनपदों में कहीं-कहीं बादलों की तेज गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने से लेकर मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

स्काईमेट वेदर के मुताबिक तटीय कर्नाटक, केरल के कुछ हिस्सों, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के साथ-साथ सिक्किम और पश्चिम असम के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश जारी रहेगी। पूर्वोत्तर भारत के बाकी हिस्सों, रायलसीमा और लक्षद्वीप के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। वहीं उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु के कुछ हिस्सों, दक्षिण छत्तीसगढ़, तेलंगाना और पूर्वी बिहार के अलग-अलग हिस्सों में एक या दो मध्यम बारिश के साथ हल्की बारिश हो सकती है। पश्चिमी हिमालय, ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल, गोवा, तटीय आंध्र प्रदेश और दक्षिण मध्य महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश संभव है।

केरल की बात करें तो कई इलाकों के लिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी कर दिया है। अगले चार दिन भारी बारिश की आशंका जाहिर की गई है। स्थिति को देखते हुए केरल सरकार ने पहले ही एक आपात बैठक बुला ली है। उस बैठक में तमाम तैयारियों पर मंथन किया गया है और बाढ़ जैसी परिस्थिति से निपटने के लिए रणनीति पर काम हुआ है। केरल के अलावा असम में भी बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो चुकी है। असम में लगातार हो रही बारिश के चलते कई इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन से आम जन-जीवन अस्त-व्यस्त है। राज्य में करीब 20 जिलों के 1.97 लाख लोग इस बाढ़ से प्रभावित हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार, अकेले कछार में 51,357 लोग प्रभावित हुए हैं। साल की पहली बाढ़ के कारण 46 राजस्व मंडलों के 652 गांव प्रभावित हुए हैं और बाढ़ के पानी से 16,645.61 हेक्टेयर फसल भूमि बर्बाद हो चुकी है।

गहलोत का दावा, कांग्रेस के चिंतन शिविर से घबराकर जयपुर में बैठक कर रही है भाजपा

जयपुर। (एजेंसी)

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस के हालिया नव संकल्प चिंतन शिविर से डरी भारतीय जनता पार्टी अपने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक जयपुर में कर रही है। भाजपा की यह तीन दिवसीय बैठक बृहस्पतिवार शाम यहां शुरू हो रही है। गहलोत ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'जैसे ही उदयपुर में हमारे चिंतन शिविर की घोषणा हुई, साथ-साथ में इनका चिंतन शिविर आ गया जयपुर के अंदर, इतने घबराए हुए लोग हैं ये। ये घबराहट का नतीजा है कि आज ये कुनबा (भाजपा का) इकट्ठा हो रहा है।' कांग्रेस का तीन दिवसीय चिंतन शिविर हाल ही में उदयपुर में संपन्न हुआ था। गहलोत ने इसके साथ ही विश्वास जताया कि राज्य की जनता एक बार फिर कांग्रेस के पक्ष में मतदान कर उसे सत्ता सौंपेगी।

भाजपा पर निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा, 'मैं बार-बार बोलता हूं कि देश किस दिशा में जा रहा है, किस दिशा में जाएगा, ये किसी को नहीं मालूम है क्योंकि जो लोग सत्ता में बैठे हुए हैं, इनको जनता का भय नहीं है। वो हिंदू धर्म के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। इनको ये घमंड आ गया है कि सब हिंदू हमारे साथ में हैं, कौन हमारा क्या बिगाड़ लेगा?' मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'इनको लोगों की परवाह नहीं, ये लोकतंत्र के लिए खतरा है। ये आम जनता को समझना पड़ेगा कि हिंदुत्व के नाम पर आपको जो भ्रमित कर रहे हैं, ये देशवासियों के लिए उल्टा पड़ेगा। ये जनहित में नहीं है, आम लोगों के हित में नहीं है, ये समझना पड़ेगा।'

गहलोत ने राज्य के करौली में दो अप्रैल को हुई हिंसा को पूर्व नियोजितकरार देते हुए कहा कि ये लोग राज्य की कांग्रेस सरकार को बदनाम करने का एजेंडा लेकर चल रहे हैं। गहलोत ने कहा, 'करौली में एक घंटे में दुकानें जला दी गईं क्योंकि योजनाबद्ध तरीके से वो काम हुआ था। भाजपा के बड़े नेता मुख्य आरोपी हैं वहां पर, परंतु 20 दिन तक देशभर में करौली-करौली चलता रहा क्योंकि इनके एजेंडा में है कि राज्य में चुनाव आ रहे हैं, उनको (सरकार को) बदनाम कैसे करो? ये इनका एजेंडा है।' उन्होंने दोहराया कि जनता का ध्यान महंगाई और बेरोजगारी के असली मुद्दों से भटकाया जा रहा है। गहलोत ने यह भी कहा कि अपराधों में वृद्धि, पेपर लीक की घटनाएं आदि बेरोजगारी का परिणाम हैं और युवाओं को रोजगार प्रदान करना केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की जिम्मेदारी है। इससे पहले गहलोत ने देश में बढ़ती महंगाई को लेकर भी बुधवार रात केंद्र पर निशाना साधा था।

गहलोत ने ट्वीट किया, 'देश में थोक महंगाई दर 15.08 प्रतिशत के रिकॉर्ड पर पहुंच गई है। पिछले एक साल से थोक महंगाई दर 10 प्रतिशत से अधिक है। महंगाई ने आमजन का जीवन मुश्किल कर दिया है परन्तु राजग सरकार धर्म, जाति के नाम पर आपस में तनाव बनाए रखना चाहती है जिससे महंगाई और बेरोजगारी पर कोई चर्चा ना हो सके।' गहलोत के अनुसार, 'ऐसा लगता है कि केन्द्र सरकार की आर्थिक नीतियां विफल हो चुकी हैं एवं इनके पास महंगाई को काबू करने की कोई योजना नहीं है। प्रधानमंत्री व राजग सरकार को देश का ध्यान मंदिर-मस्जिद के मुद्दों पर भटकाने की बजाय अपना ध्यान बेरोजगारी की समस्या को हल करने एवं महंगाई पर काबू पाने पर लगाना चाहिए।

हार्दिक पटेल ने बताया राहुल और प्रियंका गांधी से क्यों हुए नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)

कांग्रेस पार्टी को अलविदा कह चुके गुजरात के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने साफ कर दिया है कि वह भारतीय जनता पार्टी में नहीं जा रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर भी बगैर नाम लिए निशाना साधा। साथ ही कहा कि पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के सामने परेशानियां रखने के बाद भी उन्हें नजरअंदाज किया गया। पाटीदार नेता ने बुधवार को ट्वीट के जरिए पार्टी की सदस्यता छोड़ने का ऐलान कर लिया था। वह लंबे समय से कांग्रेस से नाराज चल रहे थे। पटेल ने कहा, 'पार्टी के अंदर ये चचाएं हैं कि लोग जब बोर हो जाएंगे तब कांग्रेस को वोट देंगे। मैंने राहुल और प्रियंका गांधी से बात की है और गुजरात की परेशानियों के बारे में बताया। उन्होंने मुझसे पूछा और मैंने उन्हें बताया। तब ही मैं नजरंदाज हुआ। मैंने दुख के बजाए हिम्मत के साथ पार्टी छोड़ने का फैसला कर लिया था। पटेल का इस्तीफा कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।' पटेल ने पार्टी के काम करने के तरीके और नेताओं पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, '7-8 लोग 33 साल से कांग्रेस को चला रहे हैं। मेरे जैसे कार्यकर्ता हर रोज 500-600 किमी की यात्रा करते हैं। अगर मैं लोगों के बीच जाता हूं और उनके हालात जानने की कोशिश करता हूं, तो यहां बड़े नेता एसी कमरों में बैठकर मेरे प्रयासों में बाधा डालने की कोशिश करते हैं।' पटेल ने दावा किया है कि गुजरात में कांग्रेस से कई नेता नाराज चल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'गुजरात में केलल हार्दिक ही नहीं हैं, जिसे कांग्रेस से नाराजगी है। गुजरात में कई नेता हैं, जो कांग्रेस का इस्तेमाल करते हैं। सत्ता में बैठना और पार्टी की तारीफ करने का मतलब यह नहीं है कि पार्टी उन्हें मुख्यमंत्री बना देगी।' राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। उन्होंने ट्वीट किया था, 'आज मैं हिम्मत करके कांग्रेस पार्टी के पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं। मुझे विश्वास है कि मेरे इस निर्णय का स्वागत मेरा हर साथी और गुजरात की जनता करेगी। मैं मानता हूं कि मेरे इस कदम के बाद मैं भविष्य में गुजरात के लिए सच में सकारात्मक रूप से कार्य कर पाऊंगा।' इसके साथ ही उन्होंने पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के नाम एक लंबा पत्र भी लिखा था।

हिंदू आस्था पर अखिलेश यादव का विवादित बयान, बोले- कहीं पत्थर रख दो, एक लाल झंडा लगा दो बन गया मंदिर

लखनऊ। (एजेंसी)

वाराणसी के ज्ञानवापी मंदिर मस्जिद मुद्दे को लेकर उत्तरप्रदेश की राजनीति लगातार गर्म होती जा रही है। भले ही भाजपा इस मुद्दे को लेकर अभी भी प्रखंड नहीं है लेकिन विपक्ष ज्ञानवापी मामले को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर हमलावर है। इन सब के बीच उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने हिंदू आस्था को लेकर विवादित बयान दे दिया है। दरअसल, ज्ञानवापी मामले से जुड़े एक बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे हिंदू धर्म में यह है कि कहीं पर भी पत्थर रख दो, एक लाल झंडा रख दो, पीपल के पेड़ के नीचे तो मंदिर बन गया।

इसके साथ ही अखिलेश ने भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहती है कि ज्ञानवापी के मामले में नौजवान उलझे रहें। उन्हें रोजगार के बारे में जवाब न देना पड़े। विकास के लिए शांति-सौहार्द की जरूरत होती है। यादव ने आरोप लगाया कि चूंकि भाजपा को विकास में कोई रुचि नहीं है इसलिए वह समाज में साम्प्रदायिकता का विषाक्त वातावरण पैदा करना चाहती है। चुनाव तक ऐसे मुद्दों को उठाने के लिए भाजपा के पास नफरत वाला कैलेंडर है। सपा प्रमुख ने कहा कि जिस समय हम और आप इस बहस को देख रहे थे तब पता नहीं देश की कौन सी चीज बिक रही थी।

युवा शिविर में पीएम मोदी ने लिया हिस्सा, बोले- भारत आज दुनिया की नई उम्मीद है

नई दिल्ली (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वडोदरा के करेलीबाग में आयोजित 'युवा शिविर' में हिस्सा लिया। इसी दौरान प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे संतों ने, हमारे शास्त्रों ने हमें सिखाया है कि किसी भी समाज का निर्माण, समाज की हर पीढ़ी में निरंतर चरित्र निर्माण से होता है। उसकी सभ्यता, परंपरा, उसके आचार-विचार-व्यवहार एक प्रकार से हमारी सांस्कृतिक विरासत की संवृद्धि से होता है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि मेरे युवा साथी जब इस शिविर से जाएंगे तो वो अपने भीतर एक नई ऊर्जा

महसूस करेंगे, एक नई स्वष्टता और नव चेतना का संचार अनुभव करेंगे।

मोदी ने कहा कि कोरोना काल के संकट के बीच दुनिया को वैक्सीन और दवाईयां पहुंचाने से लेकर बिखरी हुई सप्लाई चेन के बीच आत्मनिर्भर भारत की उम्मीद तक वैश्विक अशांति और संघर्षों के बीच शांति के लिए एक सामर्थ्यवान राष्ट्र की भूमिका तक भारत आज दुनिया की नई उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम पूरी मानवता को योग का रास्ता दिखा रहे हैं, आयुर्वेद की ताकत से परिचित करवा रहे हैं। हम सॉफ्टवेयर से लेकर स्पेस तक, एक नए भविष्य के लिए तत्पर देश के रूप में उभर रहे हैं। मोदी ने कहा कि आज देश में सरकार के कामकाज का तरीका बदला है, समाज की सोच बदली है और सबसे खुशी की बात है कि जन भागीदारी बढ़ी है। जो लक्ष्य भारत के लिए असंभव माने जाते थे, आज दुनिया भी देख रही है कि भारत ऐसे क्षेत्रों में कितना बेहतर कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे लिए संस्कार का अर्थ है- शिक्षा, सेवा, संवेदनशीलता, समर्पण, संकल्प और सामर्थ्य! हम अपना उत्थान करें, लेकिन हमारा उत्थान दूसरों के कल्याण का भी माध्यम बने! हम सफलता के शिखरों को छूएँ, लेकिन हमारी सफलता सबकी सेवा का भी जरिया बने।

अनाज का वितरण कोविड-19 रोधी टीकों की तरह नहीं होना चाहिए : भारत

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)

भारत ने अनाज की कीमतों में 'अनुचित वृद्धि' के बीच उसकी जमाखोरी और वितरण में भेदभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए बुधवार को पश्चिमी देशों से आह्वान किया कि अनाज का बंटवारा कोविड-19 रोधी टीकों की तरह नहीं होना चाहिए। उसने कहा कि गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के उसके फैसले से यह सुनिश्चित होगा कि वह जरूरतमंद लोगों की जरूरतों को पूरा कर सकता है। विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने बुधवार को यहां कहा, 'कम आय वाले विभिन्न वर्ग आज अनाज की बढ़ती कीमतों और उनकी पहुंच तक मुश्किल की दोहरी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि पर्याप्त भंडार वाले भारत जैसे देशों ने खाद्यान्न में अनुचित वृद्धि देखी है। यह साफ है कि जमाखोरी की जा रही है। हम इसे ऐसे ही चलने नहीं दे सकते।' मुरलीधरन 'ग्लोबल फूड सिक्योरिटी कॉल टू एक्शन' पर मंत्री स्तरीय बैठक में बोल रहे थे, जिसकी अध्यक्षता अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने की। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत ने गत शुक्रवार को झुलसाने वाली गर्मी के कारण गेहूं की कमी के बीच बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने की कवायद में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। इस फैसले का मकसद गेहूं और गेहूं के आटे की खुदरा कीमतों को काबू में करना है, जो पिछले एक साल में औसतन 14 से 20 फीसदी तक बढ़ गयी है। साथ ही इसका उद्देश्य पड़ोसी और कमजोर देशों की खाद्यान्न आवश्यकताओं को पूरा करना है।

विदेशी व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने पिछले सप्ताह एक अधिसूचना में कहा कि केंद्र सरकार की अनुमति के आधार पर गेहूं के निर्यात को मंजूरी दी जाएगी। भारत ने उच्च स्तरीय बैठक में संयुक्त राष्ट्र में पहली बार गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध के मुद्दे पर अपनी बात रखी। मुरलीधरन ने कहा कि भारत सरकार गेहूं की वैश्विक कीमतों में अचानक आयी वृद्धि को स्वीकार करती है, जिससे 'हमारी और हमारे पड़ोसियों तथा अन्य कमजोर देशों की खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ गयी है।' उन्होंने कहा, 'हमारी अपनी खाद्य सुरक्षा से निपटने तथा पड़ोसी और अन्य कमजोर विकासशील देशों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, हमने 13 मई 2022 को गेहूं के निर्यात के संबंध में कुछ उपायों की घोषणा की।'

भारत ने पश्चिमी देशों से आह्वान किया और उन्हें आगाह किया कि अनाज का मुद्दा कोविड-19 रोधी टीकों की तरह नहीं होना चाहिए। अमीर देशों ने भारी संख्या में कोविड रोधी टीके खरीद लिए, जिसकी वजह से गरीब तथा कम विकासशील देश अपनी आबादी को पहली खुराक देने में भी जूझते नजर आए। मुरलीधरन ने कहा, 'हमने हजारों मीट्रिक टन गेहूं, आटा और दालों के रूप में हमारे पड़ोसियों और अफ्रीका समेत कई देशों को खाद्य मदद दी है ताकि उनकी खाद्य सुरक्षा

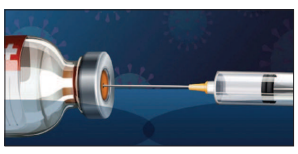

मजबूत की जा सके।' उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में बिगड़ते मानवीय हालात के मद्देनजर भारत उसके लोगों को 50,000 मीट्रिक टन गेहूं दान कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हम श्रीलंका को भी मुश्किल दौर में खाद्य सहायता समेत और मदद दे रहे हैं।

सार समाचार

अमेरिका में एक कैथोलिक स्कूल पर बलात्कार को बढ़ावा देने का आरोप

ओक्लाहोमा (अमेरिका)। ओक्लाहोमा सिटी में 'माउंट सेंट मैरी कैथलिक हाई स्कूल' (एमएसएम) के कई मौजूदा और पूर्व छात्र और कम से कम छह छात्रों के माता-पिता ने स्कूल पर 'बलात्कार को बढ़ावा' देने का आरोप लगाया है। इस संबंध में एक वाद सोमवार को दायर किया गया। स्कूल के 10 मौजूदा एवं पूर्व छात्रों और छह छात्रों के माता-पिता एवं अभिभावकों ने यह वाद दायर किया है। वाद में दावा किया गया है कि स्कूल के अधिकारियों को 2011 से पता था कि छात्राओं का अन्य छात्रों, शिक्षकों तथा प्रशिक्षकों द्वारा बलात्कार तथा यौन उत्पीड़न किया जा रहा है और उन्होंने इसे रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। वाद में कहा गया, 'एमएसएम ने बलात्कार को बढ़ावा दिया....।' इसमें दावा किया गया, 'एमएसएम ने बलात्कार तथा यौन उत्पीड़न को रोकने या उसकी शिकायत करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया..बल्कि शिकायत करने वाली महिलाओं तथा लड़कियों के साथ बदसलूकी की।' माउंट सेंट मैरी की प्रधानाचार्य लौरा कैन ने एक बयान में कहा कि उन्हें वाद के बारे में पता है, लेकिन अभी वह इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकतीं।

ब्रिटेन की स्वास्थ्य सेवा में भारतीय नर्सों की संख्या बढ़ी

लंदन। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के कार्यबल में शामिल हो रहीं विदेशी नर्सों की संख्या में इस बार भारतीयों की अच्छी तादाद है। लंदन में बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह बात सामने आई। नर्सिंग एंड मिडवाइफरी काउंसिल (एनएमसी) के 2021-22 के आंकड़े दिखाते हैं कि ब्रिटेन में काम करने के योग्य लोगों की पंजी में 37,815 भारतीय नर्सों के नाम दर्ज हैं। यह संख्या पिछले साल 28,192 थी और चार साल पहले 17,730 थी। सर्वाधिक नर्स फिलीपीन से आती हैं और इस साल इनकी संख्या 41,090 है। इसके बाद तीसरे स्थान पर नाइजीरिया से आने वाली नर्स (7,256) हैं। एनएमसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी और रजिस्ट्रार एड्रिया सटक्लिफ ने कहा, 'इस समय हमारे रजिस्टर में अब तक की सर्वाधिक संख्या दर्ज है। पिछले दो साल के सभी तरह के दबाव के बाद यह अच्छी खबर है। लेकिन हमारे आंकड़े कुछ चेतावनी के संकेत भी देते हैं।' उन्होंने कहा, ह्यहमारजिस्टर से जिन लोगों के नाम हटे हैं उनकी संख्या बढ़ गयी है। जिन लोगों ने काम छोड़ा है उन्होंने महामारी के दौरान झेले दबाव को लेकर अपनी कहानियां साझा की हैं।

मारियुपोल में यूक्रेन ने रूस के सामने टेके घुटने, 1,000 यूक्रेनी सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया

कीव। रूस ने बुधवार को दावा किया कि मारियुपोल के एक बड़े इस्पात संयंत्र में करीब 1,000 यूक्रेनी सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया है। इसके साथ ही, यूक्रेनी सैनिकों ने एक ऐसे स्थल की रक्षा करना छोड़ दिया, जो देश के प्रतिरोध का एक प्रतीक था। इस घटनाक्रम के बाद बंदरगाह शहर मारियुपोल में लड़ाई खत्म हो गई प्रतीत हो रही है। इस बीच यूक्रेन में युद्ध अपराध के मामलों में सुनवाई का सामना कर रहे रूसी सैनिक ने एक आम नागरिक की हत्या करने का आरोप स्वीकार कर लिया और उसे कारावास की सजा हो सकती है। चेक गणराज्य की सरकार ने फिनलैंड और स्वीडन के नाटो की सदस्यता के लिए अनुरोध प्रस्तुत किए जाने के कुछ ही घंटों बाद सर्वसम्मति से इसे मंजूरी दे दी। यूक्रेन ने अपने लड़ाकों को अपनी जान बचाने का आदेश दिया और कहा कि रूसी सैनिकों का मुकाबला करने का उनका मिशन अब पूरा हो गया है लेकिन संयंत्र से बाहर निकल रहे सैनिकों को आत्मसमर्पण करने के लिए नहीं कहा। इसके चलते, यूक्रेनी सैनिकों का भविष्य अनिश्चित नजर आ रहा है।यूक्रेन का कहना है कि वह युद्ध बंदियों की अदला-बदल की उम्मीद कर रहा है जबकि रूस उनमें से कुछ पर युद्ध अपराध की कार्रवाई करने की सोच रहा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि संयंत्र के अंदर कितने लड़ाके शेष रह गये हैं। वहीं, यूक्रेन का यह शहर काफी हद तक मलबे के ढेर में तब्दील हो गया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि मारियुपोल शहर में यूक्रेन के कब्जे वाले आखिरी क्षेत्र में छुपे करीब एक हजार यूक्रेनी सैनिक वहां से चले गए हैं।

भीषण गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बाढ़ और सूखा, हमारी पीढ़िया भुगतेंगी खामियाजा: रिपोर्ट

- मानव गतिविधियों के कारण धरती, महासागर व वातावरण में आ रहा है व्यापक बदलाव

न्यूयार्क । पूर्वी अफ्रीका में सूखे के कारण इमरजेंसी जैसे हालात दक्षिण में बाढ़ जबकि भारत और पाकिस्तान में भीषण गर्मी पड़ रही है। पिछले सात वर्षों ने अब तक के सर्वाधिक गर्म साल होने का रिकॉर्ड बनाया है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने स्टेट ऑफ द ग्लोबल क्लाइमेट इन 2021 रिपोर्ट जारी की है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की यह रिपोर्ट ऐसे समय में प्रकाशित हुई है जब मौसम में होने वाले गंभीर बदलावों से हाल के दिनों में करोड़ों लोग प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2021 के दौरान, जलवायु परिवर्तन के चार प्रमुख संकेतकों, ग्रीनहाउस गैस की सघनता, समुद्री जल स्तर में वृद्धि, महासागर का बढ़ता तापमान और समुद्री अम्लीकरण ने नया रिकॉर्ड बनाया है। रिपोर्ट के अनुसार यह दिखाता है कि मानव गतिविधियों के कारण धरती, महासागर व वातावरण में व्यापक बदलाव आ रहा है। इससे विकास व पारिस्थितिकी तंत्रों पर लंबे समय में दुष्परिणाम होंगे। यूएन मौसम विज्ञान एजेंसी के महासचिव पेटेरी टालस ने कहा कि कुछ ही समय में एक और सर्वाधिक गर्म साल देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी जलवायु हमारी आंखों के सामने बदल रही है। मानव-जनित ग्रीनहाउस गैस में एकत्र ताप के कारण, धरती आने वाली कई पीढ़ियों तक गर्म होता रहेगी। टालस ने कहा कि कुछ ग्लेशियर में पिघलाव इतना भीषण है कि उसे उलट पाना सम्भव नहीं है। इसके जिसके दीर्घकालीन दुष्परिणाम होने की आशंका है। उन्होंने सचेत किया कि इस संकट को टालने के लिये वातावरण में एकत्र कार्बन को हटाना होगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री (सेल्सियस) तक सीमित करने के लिए, हमें अक्षय ऊर्जा में तेजी लाने और ऊर्जा उत्पादन को बदलने की जरूरत है। कई देशों में, सौर और पवन पहले से ही ऊर्जा का सबसे सस्ता स्रोत हैं। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र जीवाश्म ईंधन क्षेत्र की तुलना में तीन गुना अधिक रोजगार पैदा करता है। वही यूएन महासचिव के क्लाइमेट एक्शन एडवाइजर सेल्विन हार्ट ने कहा है कि सभी प्रमुख क्लाइमेट इंडिकेटर स्पष रूप से गलत दिशा में जा रहे हैं। बहुत अधिक महत्वाकांक्षा और तात्कालिकता के बिना, हम 1.5 डिग्री लक्ष्य को बनाए रखने मौका खोने वाले हैं। पिछले वर्ष के आरम्भ और अन्त में ला नीना के असर के कारण, 2021 सात सबसे गर्म सालों में से केवल एक ही साबित हुआ। ला नीना की वजह से अधिक ठंड भी देखने को मिली। मगर बढ़ते तापमान के रुझान में बदलाव नहीं आया है। बदलती जलवायु का सीधा असर रोजमर्रा के जीवन में मौसम की घटनाओं में देखने को मिलता है। इनकी वजह से सैकड़ों अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

लंदन में श्रीलंकाई सेना और तमिल विद्रोही गुटों के बीच हुए संघर्ष के समाप्त होने की 13 वीं बरसी पर मारे गये लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए लोग।

तालिबान को अब समझ आया भारत का महत्व!, बोला- दूतावास के कांसुलर सेक्शन को तो खोल दें

काबुल । अफगानिस्तान पर नियंत्रण करने के बाद तालिबान को अब भारत का महत्व समझ आ रहा है। तालिबान प्रवक्ता ने भारत से अपील की है कि वह कम से कम अपने दूतावास के कांसुलर सेक्शन को खोल दे। तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल कहार बल्खी ने बताया कि अफगानिस्तान की इस्लामिक अमीरात सरकार ने भारत के साथ बातचीत के लिए एक कम्यूनिकेशन चैनल भी खोला है। तालिबान को अफगानिस्तान पर कब्जा किए 8 महीने से ज्यादा का समय हो गया, इसके बावजूद अभी तक दुनिया के किसी भी देश ने इस्लामिक अमीरात सरकार को मान्यता नहीं दी है। ऐसे में वैश्विक अलगाव झेल रहा तालिबान अब दुनिया के महत्वपूर्ण देशों के साथ अपने संबंध सुधारने की कोशिश में जुटा है। एक बातचीत के दौरान अब्दुल कहार बल्खी ने कहा कि भारत काबुल में अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के अनुरूप कम से कम दूतावास के कांसुलर सेक्शन को खोल सकता है क्योंकि हम एक इंटर-कनेक्टेड दुनिया में रहते हैं। इसमे अफगान के नागरिक भी शामिल हैं, जो चार दशकों से युद्ध से पीड़ित हैं। इन लोगों की शिक्षा, चिकित्सा, व्यवसाय और अन्य जरूरतों को पूरा करने की आवश्यकता है। पिछले साल अगस्त में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जा के बाद भारत ने काबुल में अपने दूतावास को बंद कर दिया था। इसके बावजूद भारत ने मानवीय आधार पर पिछले कुछ महीनों में अफगान लोगों को गेहूं और कोरोना वैक्सीन की कई खेप भेजकर मदद की है।

परमाणु वैज्ञानिकों ने किया आगाह- यूक्रेन में पुतिन ने परमाणु हथियार का इस्तेमाल किया तो नाटो भी देगा जवाब

वाशिंगटन (एजेंसी)

यूक्रेन-रूस में जारी युद्ध के बीच दुनिया के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिकों ने परमाणु बम को लेकर चेतावनी दी है। वैज्ञानिकों ने कहा कि अगर व्लादिमीर पुतिन ने पहले परमाणु बम का इस्तेमाल किया तो अमेरिका समेत नाटो देश यूक्रेन में मौजूद रूसी सैन्य ठिकानों पर रणनीतिक एटम बम गिराने से परहेज नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया में परमाणु महायुद्ध का खतरा पैदा हो जाएगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन की जंग में अगर रूस फिर से बढ़त हासिल करने के लिए परमाणु बम का इस्तेमाल करता है तो नाटो देशों के पास 4 विकल्प होंगे। इसमें रूसी सेना के खिलाफ यूक्रेन के अंदर या बाहर एक या कई परमाणु बम का इस्तेमाल, रूसी सेना के खिलाफ परंपरागत हथियारों से हमला करना, यूक्रेन को हथियारों की सप्लाइ जारी रखना या यूक्रेन पर संघर्ष को खत्म करने के लिए दबाव डालना शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक इसमें सबसे डरावना विकल्प बिना किसी संदेह के यह होगा कि नाटो देश खुद ही परमाणु बम का इस्तेमाल करें। इससे दुनिया में परमाणु महायुद्ध का खतरा पैदा हो जाएगा। वहीं अगर पुतिन एक परमाणु बम का इस्तेमाल यूक्रेन में करते हैं तो यह रणनीतिक परमाणु बम होगा जिसको सैन्य यूनिटों को निशाना बनाने और जमीनी हालात को बदलने के लिए डिजाइन किया गया है। वैज्ञानिकों ने कहा कि अगर रूस ने इस विकल्प का इस्तेमाल किया तो उसे नाटो देशों से भी इसी तरह का जवाब मिल सकता है। वैज्ञानिकों ने जोर देकर कहा कि ऐसी स्थिति में अमेरिका समेत नाटो देशों को रूस के यूक्रेन में और बाहर स्थित ठिकानों पर हमला करना होगा या रूस के अंदर एक लक्ष्य को निशाना बनाकर संघर्ष की प्रकृति को बदलना होगा। उन्होंने कहा कि रूसी सैन्य लक्ष्य यूक्रेन में हो सकते हैं जिसके लिए कम क्षमता के परमाणु बम से हमला करने पर बहुत सीमित संख्या में लोग मारे जाएंगे। हालांकि व्यापक सैन्य प्रभाव डालने के लिए नाटो को कई हमले करने होंगे।

इस रिपोर्ट में सबसे डराने वाली बात यह है कि इसमें कहा गया है कि अगर नाटो ने रूस के अंदर परमाणु बम से हमला किया तो हालात नियंत्रण से बाहर हो जाएंगे। इससे पूरा युद्ध रूस बनाम अमेरिका और नाटो में बदल जाएगा। अच्छी बात यह है कि पुतिन ने संकेत दिया है कि वह जंग में पहले परमाणु बम का इस्तेमाल नहीं करेंगे। उन्होंने साल 2018 में दिए अपने बयान में कहा था कि इससे पूरी मानवता के खत्म होने का खतरा पैदा हो जाएगा।

प्रदूषण के कारण विश्व में हर साल 90 लाख लोगों की मौत : अध्ययन

वॉशिंगटन (एजेंसी)

एक नये अध्ययन में दावा किया गया है कि दुनिया भर में हर तरह का प्रदूषण, साल भर में करीब 90 लाख लोगों की जान लेता है तथा वाहनों और उद्योगों के धुएं के कारण हुए वायु प्रदूषण की वजह से मरने वालों की संख्या 2000 के बाद से 55 प्रतिशत बढ़ गई है। द लांसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन के अनुसार, अमेरिका प्रदूषण से होने वाली मौतों के मामले में शीर्ष 10 देशों में सेएकमात्र ऐसा देश है जो पूरी तरह से उद्योग पर निर्भर है। 2019 में प्रदूषण से होने वालीं 142,883 मौतों के साथ वह विश्व में सातवें स्थान पर है, जिसके पहले और बाद में क्रमशः बांग्लादेश और इथियोपिया हैं। मंगलवार का पूर्व-महामारी अध्ययन वास्तव में 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' के आंकड़ों और सिएटल में स्थित 'इन्स्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवॉल्यूशन' के आंकलन पर आधारित है। भारत और चीन प्रदूषण से होने वाली मौतों के मामले में दुनिया में सबसे आगे हैं। भारत में सालाना लगभग 2.4 लाख लोगों की तो चीन में लगभग 2.2 लाख लोगों की मौत प्रदूषण के कारण होती हैं, लेकिन दोनों देशों में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी भी है। यदि मौत को प्रति जनसंख्या दर के हिसाब से देखा जाए तो अमेरिका नीचे से 31वें स्थान पर आता है। यहां प्रति 100,000 की आबादी में प्रदूषण के कारण मौत का आंकड़ा 43.6 है। चाड और मध्य अफ्रीकी गणराज्य प्रति 100,000 की आबादी पर प्रदूषण से होने वाली लगभग 300 मौत के साथ उच्चतम स्थान पर हैं।

बिलावल ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव के साथ बैठक में उठाया जम्मू कश्मीर का मुद्दा

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)

पाकिस्तान के नये विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने बुधवार को यहां संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस के साथ अपनी बैठक में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बिलावल भुट्टो जरदारी ने गुटारेस के साथ अपनी बैठक के दौरान यह भी कहा कि पाकिस्तान, भारत सहित अपने सभी पड़ोसियों के साथ शांति चाहता है। उन्होंने कहा कि यह तब तक नहीं हो सकता जब तक कि जम्मू-कश्मीर मुद्दे का समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संकल्पों और कश्मीरियों की इच्छा के अनुरूप नहीं हो जाता। बिलावल भुट्टो जरदारी ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान समाप्त किये जाने का भी जिक्र किया। जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान को 2019 में समाप्त करने के भारत के फैसले से पाकिस्तान नाराज हो गया था। पाकिस्तान ने इसके बाद भारत के साथ राजनयिक संबंधों को कमतर कर दिया था और इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायुक्त को निष्कासित कर दिया था। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्पष्ट रूप से कहा है कि देश की संसद द्वारा 2019 में अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त करना उसका आंतरिक मामला है। भारत ने बार-बार पाकिस्तान से कहा है कि जम्मू कश्मीर 'हमेशा से भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और रहेगा।' भारत ने पाकिस्तान को इस वास्तविकता को स्वीकार करने और भारत- विरोधी सभी दुष्प्रचार रोकने की भी सलाह दी है। भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि वह आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा से मुक्त वातावरण में इस्लामाबाद के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है।

श्रीलंका सरकार ने कहा, हमारे पास पेट्रोल खरीदने के लिए पैसा नहीं, लोग ईंधन के लिए लाइन नहीं लगाएं

कोलंबो (एजेंसी)

श्रीलंका ने बुधवार को कहा कि उसकेसमुद्री किनारे पर लगभग दो महीने से पेट्रोल से लदा जहाज खड़ा है, लेकिन इसका भुगतान करने के लिए उसके पास विदेशी मुद्रा नहीं है। श्रीलंका ने अपने नागरिकों से अपील किया है कि वे इस ईंधन के लिए 'कतार में खड़े होकर इंतजार नहीं करें।' हालांकि, श्रीलंका सरकार ने कहा कि देश के पास डीजल का पर्याप्त भंडारहै। ऑनलाइन पोर्टल 'न्यूजफर्स्ट डॉट एलके' ने बताया कि बिजली और ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकेरा ने संसद को बताया कि 28 मार्च से, श्रीलंकाई समुद्री क्षेत्र में पेट्रोल से लदा एक जहाज लंगर डाले हुए है। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि देश में पेट्रोल की उपलब्धता की समस्या है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास पेट्रोल लदे जहाज का भुगतान करने के लिए अमेरिकी डॉलर नहीं हैं।' उन्होंने कहा कि इसके अलावा जनवरी 2022 में पिछली खेप के लिए उसी पोत की एक और 5.3 करोड़ डॉलर की राशि बकाया है। मंत्री ने कहा कि संबंधित शिपिंग कंपनी ने दोनों भुगतानों का निपटारा होने तक जहाज को छोड़ने से इनकार कर दिया है। मंत्री ने कहा, 'यही कारण है कि हमने लोगों से अनुरोध किया कि वे ईंधन के लिए लाइन में इंतजार न करें। डीजल को लेकर कोई समस्या नहीं है। लेकिन, कृपया पेट्रोल के लिए लाइन में न रहें। हमारे पास पेट्रोल का सीमित स्टॉक है और इसे आवश्यक सेवाओं, विशेष रूप से एम्बुलेंस के लिए वितरित करने की कोशिश कर रहे हैं।' विजेसेकेरा ने कहा कि सभी फिलिंग स्टेशनों पर पेट्रोल के वितरण को पूरा करने में शुक्रवार से तीन दिन और लगेंगे। मंत्री ने कहा, जून, 2022 के लिए, श्रीलंका को ईंधन आयात के लिए 53 करोड़ डॉलर की आवश्यकता है। भले ही देश को भारतीय ऋण सुविधा का लाभ मिलता भी है, तो उसे दो साल पहले के प्रति माह 15 करोड़ डॉलर की तुलना में ईंधन खरीद के लिए 50 करोड़ डॉलर से अधिक की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, 'श्रीलंका को ईंधन के पिछली आयात खेप के लिए 70 करोड़ डॉलर से अधिक राशि का भुगतान करना है।'

पाकिस्तान, चीन से रक्षा के लिए भारत की एस-400 मिसाइल प्रणाली की तैनाती की योजना: पेंटागन

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि पाकिस्तान और चीन से खतरे के मद्देनजर देश की रक्षा के लिए भारत जून 2022 तक एस-400 मिसाइल प्रणाली की तैनाती की योजना बना रहा है। अमेरिका की रक्षा खुफिया एजेंसी के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल स्कॉट बेरियर ने कांग्रेस की एक सुनवाई के दौरान सांसद की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत को पिछले वर्ष दिसंबर से रूस से एस-400 मिसाइल प्रणाली मिलने लगी है। अक्टूबर 2021 तक भारत की सेना अपनी जमीनी तथा समुद्री सीमाओं की रक्षा के लिए तथा साइबर क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उन्नत निगरानी प्रणालियों की खरीद पर विचार कर रही थी। बेरियर ने कहा, 'दिसंबर में भारत को रूसी एस-400 मिसाइल प्रणाली की प्रारंभिक खेप प्राप्त हुई और पाकिस्तान तथा चीन से खतरे को देखते हुए भारत जून 2022 तक इस प्रणाली के संचालन की योजना बना रहा है।' उन्होंने कहा, 'भारत अपने हाइपरसोनिक, बैलेस्टिक, क्रूज प्रक्षेपास्त्रों का निर्माण कर रहा है साथ ही हवाई रक्षा मिसाइल क्षमताओं को विकसित कर रहा है, 2021 से लगातार अनेक परीक्षण कर रहा है। अंतरिक्ष में भारत के उपग्रहों की संख्या बढ़ रही है और वह अंतरिक्ष में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है।' उन्होंने कहा कि भारत कमानों के एकीकरण के लिए कदम उठा रहा है, इससे उसके तीनों सशस्त्र बलों की संयुक्त क्षमता में सुधार होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 के बाद से भारत के घरेलू रक्षा उद्योग को विस्तार देकर और विदेशी कंपनियों से रक्षा खरीद कम करने की नीति अपना कर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने को प्राथमिकता दी है। बेरियर ने कहा, ह्यहम भारत के रूस के साथ दीर्घकालिक रक्षा संबंध हैं।

उत्तर कोरिया में कोरोना प्रकोप तेज, 72 घंटों में 17 लाख के पार हुआ कोरोना पीड़ितों का आंकड़ा

प्योंगयांग (एजेंसी)

दुनियाभर में कोरोना के घातक वायरस ने जमकर कोहराम मचाया अब इसके बाद अंततः कोविड-19 ने उत्तर कोरिया को भी अपना शिकार बना लिया है। सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने देश भर के सभी शहरों में सख्त तालाबंदी की घोषणा की है। माना जा रहा था जब पूरी दुनिया में कोरोना वायरस अपना प्रचंड रूप लेकर लोगों को निगल रहा था तब उत्तर कोरिया में कोरोना वायरस का एक भी मामला नही थी। अब लगभग दो साल से ज्यादा का समय हो गया है अब पिछले हफ्ते कोरोना वायरस के पहले मामले की पुष्टि हुई थी लेकिन देखते ही देखते यह संख्या आसमान छूने लगी और लोगों की जान जाने लगी। उत्तर कोरियाई प्रशासन ने 12 मई को घोषणा की कि सार्स कोवि-2 के अत्यधिक-संक्रामक ओमिक्रॉन संस्करण के कारण तेजी से फैलने वाले बुखार के कारण हजारों लोगों ने बीमार होने की सूचना दी। किम जोंग उन ने देश में एक सख्त राष्ट्रव्यापी तालाबंदी लागू कर रखी है। इससे पहले किग जोंग ने यह फरमान जारी किया था कि जिसके अंदर कोरोना जैसे लक्षण दिखे उसे वहीं शूट कर दो। वह अपने शूट-टू-किल ऑर्डर जारी करने के लिए जाने जाते हैं। उत्तर कोरिया में जुलाई 2020 में एक मरीज में कोविड जैसे लक्षणों का पहला मामला सामने आया था। जिसे मार दिया गया था।

दुनिया भर में जाने के बाद वुहान से प्योंगयांग तक 1,403 किलोमीटर की यात्रा को पार करने में सार्स कोवि-2 वायरस को 850 दिनों से अधिक का समय लगा, जिससे लाखों लोग मारे गए। चीन उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। प्योंगयांग को बीजिंग की आर्थिक सहायता सभी चीनी विदेशी सहायता का लगभग आधा है, चीन से उत्तर कोरिया को सीधी सहायता संयुक्त राष्ट्र को बायपास करने में सक्षम बनाती है - प्योंगयांग की अन्यथा पूरी तरह से अलग, प्रतिबंध-प्रभावित अर्थव्यवस्था के लिए जीवन रेखा है। ऐसे में चीन में इस साल यह महामारी अपने चरम पर है शंघाई में कड़ा लॉकडाउन किया गया है। ऐसे में उत्तर कोरिया से लगातार व्यपार के चलते वायरस का पहुंचना स्वभाविक है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मार्च 2020 में कोविड-19 को एक महामारी घोषित किया। लेकिन उत्तर कोरिया ने हाल फिलहाल, मई 2022 में, वायरस के अपने पहले पुष्ट मामलों की सूचना दी है। हालांकि यह कुछ हद तक आश्चर्यजनक लग सकता है कि एक देश इतने समय तक बीमारी के प्रकोप से बचे रहने में कामयाब रहा, उत्तर कोरिया ने जनवरी 2020 से अपनी सीमाओं को सील कर दिया था, देश में या उसके बाहर कोई आवाजाही नहीं रही। तो यह प्रशंसनीय है कि वहां कोविड का नामो-निशान नहीं था। लेकिन अब, वही देश, जिसकी आबादी लगभग दो करोड़ 60 लाख है वायरस के ओमिक्रोन संस्करण के एक बहुत बड़े और तेजी से फैलने वाले प्रकोप का सामना कर रहा है। 17 मई तक, ह्यबुखारह्न के 14 लाख मामले सामने आए थे, जिसमें अप्रैल के अंत से 56 मौतें हुई थीं। टेस्टिंग सुविधाओं की कथित कमी के कारण देश बुखार को कोविड संक्रमण के संकेत के रूप में मान रहा है। बेशक, हम नहीं जानते कि बुखार के इन मामलों में से कितने निश्चित रूप से कोविड हैं, जो सैद्धांतिक रूप से मामलों की संख्या को ज्यादा आंक सकते हैं। साथ ही, मामलों का एक अनुपात बिना लक्षण वाला होने की संभावना है, और सीमित निगरानी के साथ मामलों की सूचना में कमी का मतलब है कि मामलों की सटीक संख्या मालूम कर पाने की संभावना नहीं है। कुछ परीक्षण हो रहे हैं, जिसमें अज्ञात संख्या में ओमिक्रोन मामलों की पुष्टि हुई है। लेकिन आखिरकार, इस प्रकोप के बारे में हमारे ज्ञान में बहुत बड़ा अंतर है।

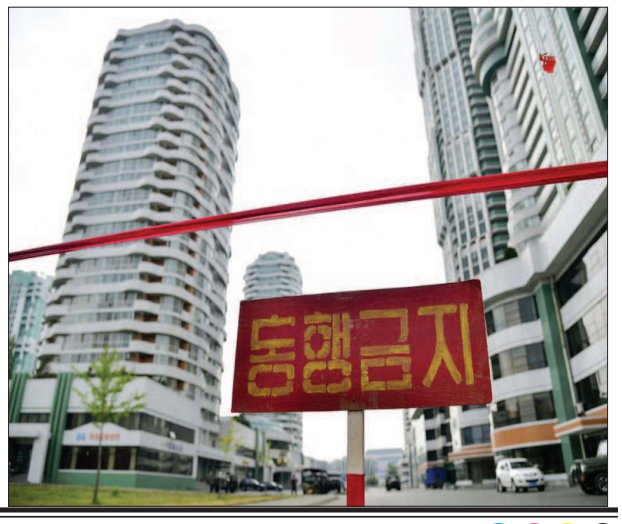

मूंगफली की उन्नत खेती

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेतु क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग कर लेना चाहिए।

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। मूंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत मे बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्तव है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली बार फूल आने के समय दूसरी बार 2-3 सप्ताह बाद जबकि पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

फसल चक्र

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

रोग नियंत्रण

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले कवक (एर्स्पजिलस नाइजर, एर्स्पजिलस फ्लेवस आदि) जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं। इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संखया के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिल इल्ली

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूंस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्विनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव करना चाहिए।

मूंगफली की माहु

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियाँ सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

सफेद लट

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह बहुभोजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं। मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं। और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं। क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए जिसमें लगातार 2-3 वर्षो से मूगंफली की खेती नहीं की गई हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई, खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियाँ गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफूदी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की उन्नतशील खेती

भूमिका

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली जाती हैं।

उन्नतशील प्रजातियॉ

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी. सी.-1003

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव
फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।
उर्वरक
प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता है।

दूरी

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर
पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।
सिंचाई एवं जल निकास
लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गुडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।

इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

फसल सुरक्षा

कीट नियन्त्रण

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं। इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,
हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है।
मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया
लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियाँ हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।
रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।
बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना चाहिए।
एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सक्रिय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उपज

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0 प्राप्त होती है।

दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।

तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है।अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे-

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी
(3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान
(5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ - त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है।

छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अत- जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण से पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

आमतौर पर हम सभी जानते हैं कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते हैं, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे-धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री-रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री-रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री-रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हट तक घट गया।

बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी-कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पार्टर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हडिड्यां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

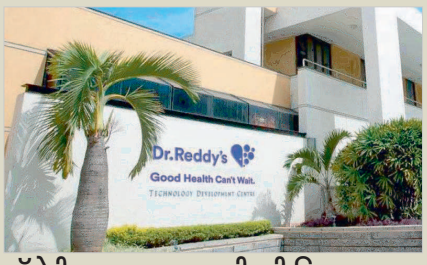

डॉ.रेड्डीज का लाभ 76 फीसदी गिरकर 87.5 करोड़ रुपये पर

हैदराबाद । डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज लिमिटेड ने कहा कि 31 मार्च को खत्म तिमाही में उसका कर के बाद समेकित लाभ 76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 87.5 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने बताया कि सालभर पहले समान तिमाही में उसका कर के बाद लाभ 362.4 करोड़ रुपये रहा था। वहीं समीक्षाधीन अवधि में उसका राजस्व 15 फीसदी बढ़कर 5,436.8 करोड़ रुपये रहा है, जो एक साल पहले समान अवधि में 4,728.4 करोड़ रुपये था। डॉ. रेड्डीज के सह-अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जी वी प्रसाद ने कहा कि हम अपने मूल कारोबार को बढ़ाना जारी रखेंगे। बीते पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का कर के बाद लाभ 2,356.8 करोड़ रुपये और राजस्व 21,439 करोड़ रुपये रहा।

वारी एनर्जी 2.37 अरब डॉलर का ठेका मिला

मुंबई । सौर ऊर्जा कंपनी वारी एनर्जी को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ग्राहकों से 2.37 अरब डॉलर के नए ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने इसकी जानकारी दी। वारी एनर्जी ने कहा कि ये ऑर्डर 540 वाट पीक और 600 वाट पीक के उच्च दक्षता वाले बाइफेशियल (दोनों तरफ से बिजली बनाने वाले पैनल) सौर पैनल की आपूर्ति के लिए है। इन पैनलों का उत्पादन एम10 और एम12 सेलों का उपयोग करके वारी के विनिर्माण संयंत्र में होगा। वारी एनर्जीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हितेश दोशी ने कहा, ''ये ऑर्डर मोदी सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, इनसे रोजगार के सैकड़ों अवसर पैदा होने और दो अरब डॉलर से अधिक विदेशी मुद्रा देश में आएगी। वारी के पास वर्तमान में चार गीगावाट पीवी मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता है और इस साल दिसबंर तक पांच गीगावाट की और क्षमता जोड़ने की योजना है। चार गीगावाट सौर सेल विनिर्माण क्षमता मार्च, 2023 तक शुरू होने की उम्मीद है।

एथर इंडस्ट्रीज का आईपीओ 24 मई को खुलेगा

मुंबई । विशिष्ट रसायनों की कंपनी एथर इंडस्ट्रीज ने कहा कि 808 करोड़ रुपये के अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए कंपनी का मूल्य दायरा 610-642 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने घोषणा की कि उसका आईपीओ 24 मई को खुलेगा और शेयर बिक्री 26 मई तक चलेगी। एंकर निवेशकों के लिए बोली 23 मई को खुलेगी। पहले कंपनी 757 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर जारी करने वाली थी लेकिन अब इसका आकार घटाकर 627 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा प्रवर्तकों द्वारा 28.2 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। कंपनी ने कहा कि आईपीओ के जरिए उस 808 करोड़ रुपये जुटने की उम्मीद है। उसने बताया कि इससे होने वाली आय का उपयोग पूंजीगत खर्च की आवश्यकताओं को पूरा करने, कार्यशील पूंजी और कर्ज चुकाने में किया जाएगा।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1,400 , निफ्टी 430 अंक टूटा

मुंबई । मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट रही। दुनिया भर के बाजारों में बिकवाली हावी रहने से घरेलू बाजार टूटा है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,416.30 अंक करीब 2.61 फीसदी नीचे आकर 52,792.23 अंक पर बंद हुआ। वहीं एक समय यह 1,539.02 अंक नीचे आकर 52,669.51 तक खिसक गया था जबकि पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 430.90 अंक तकरीबन 2.65 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ ही 15,809.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, विप्रो, इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर नीचे आये हैं। वहीं, आईटीसी और डॉ रेड्डीज के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आये। वहीं गत दिवस भी बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद हुए थे। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में के चीन का शंघाई लाभ में रहा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की गिरावट के कारण नुकसान में रहा। इसके अलावा यूरोपीय बाजार भी दोपहर के सत्र के दौरान गिरावट पर रहे थे।

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपये में गिरावट दर्ज की गयी है और यह सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा है। रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ ही 77.72 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 77.72 पर खुला। कारोबार के अंत में रुपया 77.72 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 10 पैसे की गिरावट को दिखाता है। दिन में कारोबार के दौरान रुपया 77.76 के निचले स्तर तक गया। यह 77.63 के उच्चस्तर पर भी पहुंचा। इससे पहले बुधवार को भी रुपया 18 पैसे की गिरावट के साथ 77.62 प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 फीसदी की गिरावट के साथ 103.51 पर आ गया। रुपये में इस गिरावट का कारण विदेशी कोषों की लगातार निकासी और घरेलू शेयर बाजार में बड़ी गिरावट को माना जा रहा है।

पंजाब में धान की नई बुवाई तकनीक इस्तेमाल करने वालों के लिए प्रोत्साहन योजना

चंडीगढ़ ।

पंजाब मंत्रिमंडल ने धान की सीधी बुवाई तकनीक के जरिये बुवाई करने वाले किसानों के लिए 1,500 रुपए प्रति एकड़ की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी। कम पानी की खपत और लागत प्रभावी डीएसआर (धान की सीधी बिजाई) तकनीक को बढ़ावा देने के मकसद से किसानों को प्रोत्साहन देने के लिए 450 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में यहां हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रोत्साहन योजना को स्वीकृति प्रदान की गई। पिछले महीने मान ने राज्य में घटते भूजल स्तर को रोकने के लिए इस प्रोत्साहन की घोषणा की थी। मंत्रिमंडल ने किसानों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 1,500 रुपए प्रति एकड़ की वित्तीय सहायता का भुगतान करने का भी फैसला किया, जिसके लिए पंजाब मंडी बोर्ड के अनाज खरीद पोर्टल ने पहले ही लगभग 11 लाख किसानों का एक डेटाबेस तैयार किया है जो उनके आधार, मोबाइल नंबर और बैंक खाता विवरण से जुड़ा हुआ है। डीएसआर का विकल्प चुनने वाले किसानों को एक पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होगा। साथ ही मंत्रिमण्डल ने पटवारियों के 1,766 नियमित पदों की जगह सेवानिवृत पटवारियों और कानूनगो (राजस्व अधिकारियों) को अनुबंध के आधार पर नियुक्त करने का निर्णय लिया है।

महंगी और प्रीमियम कारों की बिक्री 5 गुना तक बढ़ी

-छोटी कारों की बिक्री घटी, लग्जरी के खरीदार बढ़े

नई दिल्ली । देश के कार बाजार में छोटी कारों के मुकाबले महंगी और प्रीमियम कारों की बिक्री 5 गुना तक बढ़ गई है।छोटी कारों के बड़े बाजार के तौर पर रहे भारत से अब छोटी कार कंपनियां किनारा कर रही हैं।छोटी कारों में गिरावट की एक बड़ी वजह महंगाई भी है।इन कारों के बजट वाले खरीदारों की जेब कोरोना के असर से खाली हो गई है, जबकि महंगी और प्रीमियम कारें खरीदने वाले ज्यादा बजट के लोगों की आर्थिक सेहत पर कोरोना से खास असर नहीं हुआ है। ऐसे में आमदनी घटने और महंगाई बढ़ने के असर से छोटी और सस्ती कारों की बिक्री में गिरावट की आशंका क्रिसिल ने जताई है।रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रीमियम कारों के मुकाबले छोटी कारों की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं।नए मॉडल्स के लॉन्च की रफ्तार भी धीमी हुई है जिससे प्रीमियम यानी 10 लाख रुपये से ज्यादा कीमत वाली कारों की तरफ खरीदारों का आकर्षण बढ़ा है.वहीं 70 हजार रुपये से ज्यादा कीमत वाले टू-व्हीलर्स की हिस्सेदारी करीब 40 फीसदी बनी रहने का अनुमान जताया गया है।भारत में आमतौर पर पहली बार कार खरीदने वाले ग्राहक कम कीमत वाली कार खरीदते हैं।इसके बावजूद 2021-22 में प्रीमियम सेगमेंट कारों की बिक्री सस्ती कारों के मुकाबले पांच गुना ज्यादा रही। प्रीमियम सेगमेंट की कारों की बिक्री 38 फीसदी जबकि सस्ती कारों की बिक्री करीब सात फीसदी बढ़ी है।इससे 2021-22 में प्रीमियम कारों की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर करीब 30 फीसदी हो गई जो 2020-21 में 25 फीसदी रही थी।रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटी कारों की बिक्री घटने की वजह इनके दाम में आई तेजी है।क्रिसिल के मुताबिक बीते 4 साल में छोटी कारों के दाम 15 से 20 फीसदी तक बढ़े हैं।हालांकि इसकी वजह कार सेफ्टी के नियम हैं जिनके बाद एबीएस, एयरबैग, स्पीड वार्निंग अलार्म, सीट बेल्ट रिमाइंडर, रियर पार्किंग सेंसर, क्रैश टेस्ट नियम अनिवार्य हो गए हैं।इसके अलावा, सप्लाई चेन से जुड़ी चुनौतियों ने भी व्हीकल मैन्युफैक्चरर्स पर असर डाला है।इससे लागत बढ़ने के साथ ही प्रॉडक्शन पर भी असर पड़ा है।क्रिसिल रिसर्च के मुताबिक कार खरीदने को लेकर ग्राहकों की पसंद भी बदल रही है।इसलिए वाहन कंपनियां महंगी और प्रीमियम कारों पर ज्यादा फोकस कर रही हैं। इसका असर नए मॉडल पर भी दिख रहा है।2014-15 में महंगी और प्रीमियम कारों के केवल 71 मॉडल बाजार में थे जो 2020-21 में बढ़कर 93 हो गए।जबकि इस दौरान छोटी और सस्ती कारों के मॉडल 29 से घटकर केवल 12 रह गए हैं।ऐसे में आमदनी में कमी, महंगाई के साथ साथ छोटी कारों के कम विकल्प इनकी बिक्री में सेंध लगा रहे हैं।

बाजार दिख रहा लाल निशान में, तब आईटीसी का शेयर दे रहा प्राफिट

मुंबई ।

ग्लोबल मार्केट में कमजोरी, विदेशी निवेशकों की निरंतर निकासी, कच्चे तेल की कीमत जैसे कारणों से गुरुवार को शेयर मार्केट में भयंकर गिरावट दिखाई दी। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 1,154.78 अंक गिर गया। स्थिति यह रही कि दिग्गज एफएमसीसी आईटीसी को छोड़कर सेंसेक्स के सभी शेयर लाल निशान में दिखाई दिए। आईटीसी ने एक दिन पहले ही अपनी चौथी तिमाही का रिजल्ट पेश किया था, जिसमें सिगरेट बिजनेस में अच्छा रेवेन्यू दर्शाया गया है। बाजार ने कंपनी के रिजल्ट का स्वागत किया है। गुरुवार को बीएसई पर आईटीसी के शेयर 2.76 फीसदी मजबूती के साथ 273.85 पर कारोबार कर रहे थे। इस दौरान 52 सप्ताह का हाई 279.15 रुपये को भी टच किया। यही नहीं, एनएसई पर आईटीसी का शेयर गुरुवार को 3 साल के उच्च स्तर 279 रुपये पर पहुंच गया। आईटीसी के शेयर में पिछले तीन दिनों से तेजी आ रही है। इस दौरान इसमें करीब 8.92 फीसदी की तेजी आई है। एनएसई पर आईटीसी शेयर ने इंट्राडे ट्रेडिंग में 273.40 रुपये के उच्च स्तर को छुआ। कारोना की तीसरी लहर के कारण बाधाओं के बावजूद आईटीसी ने सिगरेट कारोबार में व्यापक सुधार देखा है। यह कारोबार महामारी पूर्व के स्तर को पार कर गया है। कंपनी ने कहा कि उसने महामारी की तीसरी लहर के प्रभाव के बावजूद सभी क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि की है। आईटीसी ने होटल बिजनेस में भी स्मार्ट रिकवरी देखी है। हालांकि, यह महामारी पूर्व के स्तर पर नहीं पहुंचा है। आईटीसी ने कहा कि अवकाश, शादी, बिजनेस टूर आदि कारणों से उसके होटल बिजनेस में सुधार दिख रहा है। इसके अलावा पेपरबोर्ड्स, पेपर और पैकेजिंग सेगमेंट में भी डिमांड में सुधार दिख रहा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक-चौथाई फिर भारत के नियंत्रण में होगा: करण अडाणी

नई दिल्ली । अडाणी पोर्ट्स एंड सेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) करण अडाणी ने कहा कि भारत विश्व की एक-चौथाई अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने के युग में वापस आ रहा है। एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी के पुत्र करण अडाणी ने अमेजन संभव-2022 में कहा कि ग्रामीण भारत और दूसरे या तीसरी श्रेणी के शहरों के सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) में अच्छा करने का दम है। उन्होंने कहा इन क्षेत्रों में तकनीकी सुधार की आवश्यकता है ताकि देश के पास विकास की क्षमता का बढ़ाया जा सके। अडाणी ने कहा भारत को पहले लोग सोने की चिड़िया बताते थे और मुझे निजी तौर पर लगता है कि मेरे जीवन में हम फिर से ऐसी स्थिति देखेंगे जब वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक-चौथाई भारत के नियंत्रण में होगा।

रूस-यूक्रेन जंग से सूरत का हीरे तराशने का कारोबार खतरे में

- हीरों को तराशने का काम करने वाली यूनिट्स ने 250,000 कारीगरों को 15 दिन की छुट्टी पर जाने को कहा

नई दिल्ली ।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग की वजह से सूरत में हीरों को तराशने का कारोबार खतरे में पड़ गया है। हीरों की सप्लाई बाधित हुई है। इस कारण सूरत में हीरों को तराशने का काम करने वाली यूनिट्स ने 250,000 कारीगरों को 15 दिन की छुट्टी पर जाने को कहा है। दुनिया में हीरे का खनन करने वाली सबसे बड़ी कंपनी अलरोसा में रूस की सरकारी की हिस्सेदारी है। अमेरिका ने इस कंपनी पर आठ अप्रैल को पाबंदी लगा दी थी। इससे दुनिया में 30 फीसदी रफ डायमंड (खरड़) की आपूर्ति प्रभावित हुई है। अलरोसा पर पाबंदी से भारत के हीरा निर्यातकों पर भी इस कंपनी से हीरे लेने पर बैन लग गया है। वे इस कंपनी से बिना तराशे हीरे लेने का रिस्क नहीं ले सकते हैं क्योंकि भारत के तराशे हुए हीरों के लिए अमेरिका एक बड़ा बाजार है। गुजरात के डायमंड वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष रमेश जिलारिया ने ईटी से कहा ` कि हीरे तलाशने वाली यूनिट्स कारीगरों के काम के घंटे कर कर रही हैं। इसे 12 घंटे से घटाकर आठ घंटे कर दिया गया है। साथ ही उन्हें हफ्ते में दो दिन की छुट्टी भी दी जा रही है। उन्हें लगता है कि अगर सरकार हस्तक्षेप करे तो सप्लाई में सुधार आ सकता है। लेकिन अमेरिका के प्रतिबंध बढ़ाने से अब कारीगरों को 15 दिन की छुट्टी पर भेजा जा रहा है। इसकी शुरुआत 16 मई से हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इस दौरान कारीगरों को कोई वेतन नहीं मिलेगा। इसलिए उन्हें आशंका है कि देर सबेर उनकी नौकरी जा सकती है। बताया जा रहा है` कि आयात प्रभावित होने से मैन्युफैक्चरिंग प्रभावित होगी। इसका असर रोजगार पर भी पड़ेगा। इससे जेम एंड ज्वेलरी का निर्यात भी प्रभावित होगा। सूरत की डायमंड इंडस्ट्री में 30 फीसदी सप्लाई अलरोसा से होती है। साथ ही यह कंपनी कई अन्य देशों को रफ डायमंड्स की सप्लाई करती है। इसमें से ज्यादातर रफ डायमंड पॉलिशिंग के लिए सूरत ही आते हैं। इंडस्ट्री अभी कोविड महामारी के प्रकोप से उबर रही थी लेकिन अब वह इस नए संकट में फंस गई है।

कृषि लागत में तेजी से ग्रामीण मांग घटी: रिपोर्ट

मुंबई ।

सामान्य मानसून की उम्मीद और खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ने से वित्त वर्ष 2022-23 में ग्रामीण आय बेहतर रहेगी, लेकिन इसके बावजूद मजदूरी और कृषि लागत में तेजी से बढ़ोतरी के कारण ग्रामीण मांग में कमी आ सकती है। एक विदेशी ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई। खरीफ फसल आय के वित्त वर्ष 2022-23 में 10.1 प्रतिशत बढ़ने की संभावना है, जो 2021-22 में 9.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। दूसरी ओर शुद्ध रबी आय के 12 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है, जो पिछले साल तीन प्रतिशत बढ़ी थी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि, खेती की लागत बढ़ रही है और यह वित्त वर्ष 2020-21 के मुकाबले 2021-22 में 20 प्रतिशत बढ़ गई। खाद, बिजली और डीजल की लागत को समायोजित करने पर खेती की लागत 8.9 प्रतिशत बढ़ी। मौसम विभाग का अनुमान है कि 2022 का दक्षिण-पश्चिम मानसून दीर्घकालिक औसत के 99 प्रतिशत पर सामान्य रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि आय में खेती के अलावा वानिकी, पशुधन, मत्स्यपालन आदि का महत्व बढ़ गया है। इस वजह से कृषि आय बढ़ी है। हालांकि, रिपोर्ट में चेतावनी दी गई कि बढ़ी हुई कीमतों से आय में इजाफा होगा, लेकिन खेती की बढ़ती लागत ग्रामीण मांग को कम कर देगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि खेती की बढ़ती लागत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने की एक वाजिब वजह है।

घरेलू एलपीजी और कॉमर्शियल सिलेंडर दोनों महंगे हुए

- 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 1,000 रुपए के पार

नई दिल्ली ।

महंगाई से परेशानी का सामना कर रहे लोगों को एक बार फिर रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ने से बड़ा झटका लगा है। अब देश के अधिकतर शहरों में घरेलू गैस सिलेंडर (एलपीजी) 1,000 रुपए से ऊपर पहुंच गया है। पेट्रोलियम कंपनियों ने गुरुवार सुबह घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 3.50 रुपए की बढ़ोतरी कर दी. इसके बाद 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 1,000 रुपए के पार हो गई। घरेलू सिलेंडर के अलावा कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में भी वृद्धि हो गई है। दोनों ही तरह के सिलेंडर पर नई दरें गुरुवार से ही देशभर में लागू हो गई हैं। तेल कंपनियों की ओर से कीमतें बढ़ाने के बाद 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत दिल्ली और मुंबई में 1,003 रुपए, चेन्नई में 1,018.50 रुपए, कोलकाता में 1,029 रुपए हो गया है। गौरतलब है कि 7 मई को भी घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में 50 रुपए की वृद्धि की गई थी ।इसके बाद इसकी कीमत 999.50 रुपए पहुंच गई थी। वहीं पेट्रोलियम कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में में भी 8 रुपए की वृद्धि की है। इस बढ़ोतरी के बाद 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर अब दिल्ली में 2,354 रुपए, कोलकाता में 2,454 रुपए, मुंबई में 2,306 रुपए और चेन्नई में 192,507 रुपए पहुंच गया है।एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इस महीने दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की बात करें तो 1 मई को इसकी कीमतों में 102.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। इसके साथ ही 5 किलोग्राम वाले छोटे सिलेंडर की कीमत में भी बढ़ोतरी कर 655 रुपए कर दिया गया था। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की बात करें तो 7 मई को इसकी कीमतों में 50 रुपए की वृद्धि हुई थी।

वृद्धि अनुमान घटने के बावजूद भारत तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था: संयुक्त राष्ट्र

- जीडीपी में वृद्धि भी पिछले वर्ष की तुलना में कम होकर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान

संयुक्त राष्ट्र ।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है वहीं भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि भी पिछले वर्ष के 8.8 फीसदी की तुलना में कम होकर 2022 में 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। इसके बावजूद भारत सबसे तेजी से वृद्धि करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। रिपोर्ट में कहा गया कि ऊंची मुद्रास्फीति का दबाव और कामगार बाजार में असमान पुनरुद्धार से निजी उपभोग और निवेश प्रभावित हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं (डब्ल्यूईएसपी) रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2022 में 3.1 फीसदी की दर से वृद्धि करने का अनुमान है जो जनवरी 2022 में जारी 4.0 फीसदी के वृद्धि पूर्वानुमान के मुकाबले कम है। 2022 में वैश्विक मुद्रास्फीति भी 6.7 फीसदी दर से बढ़ने का अनुमान है जो 2010 से 2020 की औसत 2.9 फीसदी के मुकाबले दोगुनी है। खाद्य वस्तुओं और ऊर्जा की कीमतों में भी वृद्धि हो रही है। इसमें कहा गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था के 2022 में 6.4 फीसदी की दर से वृद्धि का अनुमान है जो 2021 की 8.8 फीसदी की वृद्धि दर की तुलना में कम है। वित्त वर्ष 2023 के लिए भारत की वृद्धि अनुमान 6 फीसदी है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग में आर्थिक विश्लेषण एवं नीति प्रखंड में वैश्विक आर्थिक निगरानी शाखा के प्रमुख हामिद रशीद ने कहा कि पूर्वी एशिया और दक्षिण एशिया को छोड़कर दुनिया के लगभग सभी क्षेत्र उच्च मुद्रास्फीति से प्रभावित हैं। इस मामले में भारत कुछ बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा, निकट भविष्य यानी अगले साल में भारत का आर्थिक पुनरुद्धार मजबूत रहने की उम्मीद है। हालांकि जोखिम अभी खत्म नहीं हुआ है।'' रिपोर्ट में कहा गया कि उर्वरक समेत कृषि उत्पादों की ऊंची कीमतों और इनकी कमी के कारण बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका में कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा।

सीएसके को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी रॉयल्स

मुंबई। (एजेंसी)।

राजस्थान रॉयल्स की टीम शुक्रवार को अपने अंतिम लीग मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ में प्रवेश के इरादे से उतरेगी। सीएसके के अब तक 16 अंक हैं और इस मैच में जीत के साथ ही उसके 18 अंक हो जाएगे और वह प्लेऑफ में पहुंचने वाली तीसरी टीम बन जाएगी हालांकि हार पर भी उसकी संभावनाएं समाप्त नहीं होंगी। कप्तान संजू सैमसन की टीम रॉयल्स इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है क्योंकि उसकी बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी सीएसके से कहीं अच्छी है। टीम के पास जोस बटलर जैसे स्टार बल्लेबाज हैं। बटलर ने इस सत्र में अबतक सबसे ज्यादा रन बनाये हैं और वह इस सिलसिले को बनाये रखना चाहेंगे। वह पिछले कुछ मैचों में वह बड़ा स्कोर नहीं बना पाये थे , इसलिए इस बार बड़ी पारी खेलकर इस कमी को पूरा करना चाहेंगे।

रॉयल्स की टीम के लिए सकारात्मक बात यह है कि उसका रन औसत दूसरे नंबर की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स से भी बेहतर है। सुपर जायंट्स का औसत (+0.251) है जबकि रॉयल्स का नेट रन रेट +0.304 का है। रॉयल्स की टीम को सीएसके टीम के खराब फार्म से भी लाभ मिलेगा। वहीं दूसरी और महेन्द्र सिंह धोनी की टीम सीएसके पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है , इसलिए उसपर कोई दबाव नहीं है। ऐसे में उसका लक्ष्य किसी प्रकार बेहतर प्रदर्शन कर जीत के साथ बाहर होना रहेगा। इसके अलावा वह रॉयल्स का खेल बिगाड़ना भी चाहेगी। ऐसे में रॉयल्स को बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। रॉयल्स को टूर्नामेंट में अधिकतर जीत बटलर के कारण मिली है पर अब कप्तान सैमसन व अन्य खिलाड़ियों को भी अपनी ओर से बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। वहीं रॉयल्स की गेंदबाजी प्रसिद्ध कृष्णा, युजवेंद्र चहल जैसे गेंदबाजों पर आधारित रहेगी। चहल ने अब तक इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं और उन्हें खेलना सीएसके टीम के लिए आसान नहीं रहेगा।

वहीं दूसरी ओर सीएसके के पास युवा मुकेश चौधरी, सिमरजीत सिंह और माथिशा पाथिराना जैसे गेंदबाज हैं अब देखना है कि वे रॉयल्स के बल्लेबाजों पर कितना कितना अंकुश लगा पाते हैं। बल्लेबाजी में सीएसके को कप्तानी धोनी के अलावा युवा रूतुराज गायकवाड़ से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। एक अन्य बल्लेबाज डेवोन कोनवे से भी टीम को बड़े स्कोर की उम्मीद रहेगी। सीएसके की परेशानी धोनी , अंबाती रायुडू और रॉबिन उथप्पा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के रन नहीं बना पाने से बढ़ी है। इसी कारण टीम अधिक रन नहीं बना पायी है। इसके अलावा टीम के गेंदबाजी आक्रमण में अनुभव की कमी नजर आती है जबकि रॉयल्स के पास चहल , आर अश्विन और ट्रेंट बोल्ट जैसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। इन सभी ने इन सत्र में काफी विकेट लिए हैं।

जूनियर विश्व कप: सिफ्त कौर समरा ने रजत पदक जीता, भारत में शीर्ष पर रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सिफ्त कौर समरा और सूर्य प्रताप सिंह को गुरुवार को 50 मीटर राइफल प्रोन मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि भारत जर्मनी के सुहल में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) जूनियर विश्व कप में शीर्ष पर रहा। सिफ्त और सूर्य को फाइनल में माजा मेगडेलेना गावेंडा और विक्टोरो साजदास की पोलैंड की जोड़ी के खिलाफ 15-17 से हार का सामना करना पड़ा। अभय सिंह सेखों और अरीबा खान की जोड़ी स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वालीफिकेशन दौर से ही बाहर हो गई। प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारतीय जोड़ी 150 में से 134 अंक जुटाकर सातवें स्थान पर रही। स्पर्धा में हिस्सा ले रही भव्तेग सिंह गिल और दर्शना राठौड़ की एक अन्य भारतीय जोड़ी 132 अंक के साथ 10वें स्थान पर रही। बुधवार को परिनाज धालीवाल, दर्शना और अरीबा की भारतीय महिला स्कीट टीम ने जर्मनी को 6-0 से हराकर कांस्य पदक जीता था। भारत का शॉटगन वर्ग में यह सिर्फ तीसरा पदक था। बुधवार को ही भारत ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक भी जीता जब 25 मीटर रेपिड फायर मिश्रित टीम स्पर्धा के आल इंडियन फाइनल में सिमरनप्रीत कौर बरार और विजयवीर सिद्धू ने अनीष और तेजस्विनी को 17-9 से हराया। भारत ने प्रतियोगिता में 33 पदक जीते जिसमें 13 स्वर्ण, 15 रजत और 5 कांस्य पदक शामिल हैं।

आर्चर फिर चोटिल हुए , डि कॉक-राहुल की सलामी जोड़ी ने बनाया रिकार्ड

आगामी श्रृंखलाओं से बाहर हुए

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर फिर चोटिल हो गये हैं। ऐसे में वह गर्मियों में होने वाली किसी भी श्रृंखला में भाग नहीं ले पायेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्चर को पीठ के निचले हिस्से में एक ओर चोट लगी है। इसे स्ट्रेस फैक्चर बताया गया है। यह गेंदबाजी पहले से ही कोहनी की चोट के कारण तकरीबन एक साल से क्रिकेटर से दूर था। अब एक ओर चोट से उनकी मुश्किलें और बढ़ गयी हैं। आर्चर ने अंतिम बार मार्च 2021 में खेला था। इस गेंदबाज ने हाल ही में टी20 ब्लास्ट में ससेक्स के लिए वापसी की बात की थी। उन्होंने अपने शुरुआती मैच से पहले कुछ दूसरी टीमों के साथ अभ्यास मैच खेलने की भी योजना बनाई थी। ईसीबी ने कहा कि पीठ में दर्द का पता चलने के बाद इस गेंदबाज को बाकी सत्र के लिए बाहर कर दिया गया है। वहीं एक बयान में कहा गया, उनकी वापसी के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है। आने वाले दिनों में विशेषज्ञ सलाह के बाद एक प्रबंधन योजना बनायी जाएगी। गौरतलब है कि आर्चर की पिछले 14 महीनों में तीन बार सर्जरी हुई है। एक बार उनके हाथ पर कांच का एक टुकड़ा निकालने के लिए, और दो बार कोहनी के लिए। उन्होंने इस साल की शुरुआत में टी20 और टेस्ट दौरे के दौरान अपने बारबाडोस में इंग्लैंड के साथ प्रशिक्षण लिया और आईपीएल 2022 में हिस्सा नहीं लेने का निर्णय किया। मुंबई इंडियंस ने इस तेज गेंदबाज को 8 करोड़ रूपए में शामिल किया था हालांकि वह इस सत्र में शामिल नहीं हो पाये।

मुंबई (एजेंसी)।

आईपीएल के 15 वें सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डि कॉक और लोकेश राहुल की सलामी जोड़ी ने 66वें लीग मैच में एक नया रिकार्ड बनाया है। राहुल और डि कॉक ने पहले विकेट के लिए नाबाद 210 रन बनाये। यह आईपीएल के इतिहास में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। आईपीएल के इस सत्र में यह पहला अवसर है जब किसी टीम ने बिना विकेट गंवाये पूरे 20 ओवर खेले। इस मुकाबले में डि कॉक ने 70 गेंदों पर नाबाद 140 रन बनाये। यह डि कॉक के टी20 करियर की सबसे अच्छी पारी भी है। वहीं टीम के कप्तान राहुल ने राहुल 68 रन बनाये और वह भी आउट नहीं हुए।आईपीएल में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी की बात करें तो, यह दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

इससे पहले पारी की शुरुआत करते हुए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड जॉनी बेयरस्टा और डेविड वॉर्नर की सलामी जोड़ी ने बनाया था। इस जोड़ी ने साल 2019 में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ ये रिकार्ड बनाया था। दोनों ने पहले विकेट के लिए 185 रन बनाये थे। वहीं साल 2017 में गौतम गंभीर और क्रिस लिन की जोड़ी ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हुए गुजरात लॉयंस के खिलाफ पहले विकेट के लिए 183 रन बनाये थे। डि कॉक आईपीएल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाजों में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस सूची में क्रिस गेल और ब्रैंडन मैकुलम पहले और दूसरे नंबर पर हैं जबकि राहुल आईपीएल के पांच सत्र में 500 या इससे अधिक रन बनाने वाले तीसरे भारतीय हैं।

अनिर्बान लाहिड़ी ने पीजीए चैम्पियनशिप से पहले वुड्स के साथ अभ्यास किया

तुलसा। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने पीजीए चैम्पियनशिप से पहले महान गोल्फर टाइगर वुड्स के साथ अभ्यास किया। लाहिड़ी करीब तीन साल के बाद मेजर चैम्पियनशिप में खेल रहे हैं। वह मंगलवार को सदर्न हिल्स पर पहुंचे और बुधवार को उन्होंने वुड्स के साथ अभ्यास किया। वुड्स अकेले कोर्स पर थे और 15 बार के मेजर चैम्पियन ने भारतीय गोल्फर से पूछा कि वे एक साथ अभ्यास कर सकते हैं। लाहिड़ी को विश्वास ही नहीं हुआ,

उन्होंने कहा- मैं कोर्स पर था और कुछ और खिलाड़ी भी थे। मैं और टाइगर भी साथ ही खड़े थे। कौन एक साथ खेलेगा, इसको लेकर संदेह था और फिर अंत में मैं और टाइगर थे और उन्होंने मुझसे साथ खेलने को कहा और मैं भला 'ना' कैसे कह सकता था। फिर हमने अभ्यास किया। वुड्स नौ होल खेलने के बाद चले गए और फिर लाहिड़ी ने ब्राइसन डेचाम्ब्यू के साथ नौ होल खेले।

अगले सत्र से आईपीएल मैचों के समय में बदलाव होगा: बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि अगले साल होने वाले आईपीएल सत्र के लिए मैचों के समय में बदलाव किया गया है। बीसीसीआई के अनुसार 15 वें सत्र में मैचों की शुरुआत 3.30 बजे होती है। वहीं देर शाम तक खेले जाने वाले मैचों की शुरुआत शाम 7.30 बजे से होती है जिसमें बदलाव किया गया है। बीसीसीआई ने संभावित प्रसारकों को बताया है कि साल 2023 में डबल हेडर के तहत मुकाबले की शुरुआत दिन में 4 बजे से होगी। वहीं देर शाम तक खेले जाने वाले मैच की शुरुआत शाम 8 बजे से होगी। इस दौरान बीसीसीआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि डबल हेडर (एक दिन में दो) मुकाबलों की संख्या में कमी की जाएगी।

आईपीएल इतिहास में पहले भी समय में बदलाव किये गये हैं। इससे पहले भी इसी समय पर मैच खेले गए थे। आईपीएल के शुरुआत के 10 सालों में देखा जाए तो उस समय मैच 4 बजे और 8 बजे से ही शुरू होते थे। यह सिलसिला उस समय तक चला था जब तक स्टार स्पोर्ट्स ने प्रसारण अधिकार नहीं खरीदे थे। स्टार स्पोर्ट्स द्वारा आईपीएल के ब्रॉडकास्टिंग अधिकार खरीदने के बाद खुद प्रसारकों ने बीसीसीआई से समय में परिवर्तन की अपील की थी। जिसके बाद मैचों की टाइमिंग में बदलाव किया गया। आईपीएल 2022 के समाप्त होने के बाद 12 जून को अगले 5 वर्षों (2023-2027) के लिए प्रसारण अधिकारों की बोली लेगेगी।

श्रीलंका झटकों से उबरा, बांग्लादेश से ड्रा रहा पहला टेस्ट

चट्टगांव (एजेंसी)।

श्रीलंका ने पांचवें दिन दूसरी पारी में मिले झटकों से उबरते हुए गुरूवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला का शुरूआती टेस्ट ड्रा कराया। श्रीलंका के लिए अंतिम दिन दिनेश चांदीमल (नाबाद 39 रन) और निरोशन डिकवेला (नाबाद 61 रन) की पारियां अहम रहीं जिन्होंने सुबह लगे झटकों से टीम को उबारने में मदद की। बीच के सत्र में श्रीलंका का दूसरी पारी में स्कोर छह विकेट पर 161 रन था और वह 93 रन की बढ़त बनाए थी।

लेकिन जब 73 ओवरों के बाद दोनों कप्तानों की सहमति पर खेल रोका गया तो श्रीलंका का स्कोर छह विकेट पर 260 रन था। श्रीलंका ने पहली पारी में 397 रन बनाये थे जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 465 रन बनाकर 68 रन की बढ़त हासिल करने के साथ चौथे दिन के अंत तक श्रीलंका के दो विकेट झटक लिये थे। श्रृंखला का दूसरा और अंतिम टेस्ट सोमवार से ढाका में शुरू होगा। बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल इस्लाम के दूसरी पारी में सुबह के सत्र में लगातार झटके गए दो विकेट से बांग्लादेश को असंभव जीत की उम्मीद जगी थी क्योंकि लंच तक श्रीलंका के चार विकेट गिर चुके थे। ताइजुल ने 82 रन देकर चार विकेट झटके और एक रन आउट भी किया। लेकिन बांग्लादेशी आक्रमण में तेज गेंदबाज शोरीफुल इस्लाम की कमी खली जो बुधवार को बल्लेबाजी के दौरान चोटिल हो गए थे। उन्होंने गेंदबाजी नहीं की और वह चार-पांच हफ्तों तक खेल से बाहर हो गए। श्रीलंका ने सुबह दो विकेट पर 39 रन से खेलना शुरू किया। फिर कुशाल मेंडिस (43 गेंद में 8 चौके, एक छक्के से 48 रन) और एंजेलो मैथ्यूज (शून्य) के विकेट गंवा दिये जिससे लंच तक उसका स्कोर चार विकेट पर 128 रन था। कप्तान दिमुथ करूणारत्ने (52 रन) आउट होने वाले पांचवें खिलाड़ी रहे जिन्हें ताइजुल आउट किया। धनंजय डि सिल्वा 33 रन बनाकर आउट हुए जो टीम का छठा विकेट था। इसके बाद चांदीमल और डिकवेला डटे रहे। डिकवेला ने इस दौरान 83 गेंद में अपना 20वां अर्धशतक भी पूरा किया।

तीरंदाजी विश्व कप: भारतीय महिला रिकर्व टीम ने कांस्य पदक जीता

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया)। भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने गुरूवार को यहां विश्व कप चरण दो की रिकर्व स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपने पदकों की संख्या तीन कर दी। भारतीय पुरूष टीम को हालांकि अपने से निचली रैंकिंग की टीम फ्रांस से क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा लेकिन रिद्धि फोर, कोमोलिका बारी और अंकिता भगत की टीम ने चीनी ताइपे को एक तरफा कांस्य पदक के प्लेऑफ में 6-2 (56-52, 54-51, 54-55, 55-54) से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय महिला टीम को सेमीफाइनल में घरेलू प्रबल दावेदार कोरिया से 2-6 (53-55, 57-55, 51-53, 43-53) से हार मिली थी जिससे टीम को कांस्य पदक मुकाबला मिला। इससे पहले तरूणदीप राय और जयंता तालुकदार की अनुभवी जोड़ी के साथ पदार्पण कर रहे नीरज चौहान की तिकड़ी को 15वें वरीय फ्रांस से 2-6 (54-57, 55-52, 53-55, 47-53) से हार का सामना करना पड़ा। बुधवार को पुरूष कंपाउंड टीम ने फाइनल में पहुंचकर कम से कम रजत पदक पक्का कर दिया था जबकि महिला टीम ने कांस्य पदक जीतकर खाता खोला था।

ऑरेंज कैप की दौड़ में बटलर को मिल रही राहुल , डिकॉक से कड़ी टक्कर

मुंबई (एजेंसी)।

आईपीएल के 15 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने अब तक सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप पर अपना कब्जा बनाये रखा है पर अब उनका यह स्थान हाथ से निकल सकता है। बटलर ने अभी तक 13 मैचों में 627 रन बनाये हैं पर अब उन्हें लखनऊ सुपर जाएंट्स के लोकेश राहुल ओर क्विंटन डिकॉक से कड़ी टक्कर मिल रही है। केकेआर के खिलाफ हुए मुकाबले में सुपर जाएंट्स के दोनो ही सलामी बल्लेबाजों ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दिखाया है कि बटलर का रिकार्ड सुरक्षित नहीं रहा। डिकॉक ने केकेआर के खिलाफ 140 रन की पारी खेली जबकि राहुल ने 68 रन बनाए। राहुल 537 रनों के साथ जबकि डिकॉक 502 रनों के साथ ह तीसरे स्थान पर हैं। राहुल और बटलर के अब केवल 90 रनों का ही अंतर है। लखनऊ के प्लेऑफ में पहुंचने से राहुल के पास इस अंतर को समाप्त करने का अच्छा अवसर है।1वहीं सबसे ज्यादा विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में स्पिनर युजवेंद्र चहल और वानिंदु हसरंगा के बीच कड़ा मुकाबला है।

भारतीय फुटबॉल बेहतर हुआ - जोसेफ

कोलकाता। आईलीग फुटबॉल में मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब की ओर से खेलने वाले कैरिबियाई खिलाड़ी मार्कस जोसेफ के अनुसार भारतीय फुटबॉल लगातार बेहतर हो रहा है। जोसेफ के अनुसार भारत के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं जिनके खेल में लगातार निखार आता जा रहा है। इस फुटबॉलर ने कहा कि भारत के कोलकाता में लोगों को इस खेल की अच्छी समझ होने के साथ ही इसके प्रति जुनून भी है। साथ ही कहा कि आईलीग में खेलकर उन्हे अच्छा अहसास हुआ है। फुटबॉल एक ऐसा खेल है जो विभिन्न भाषाओं के लोगों को जोड़ रहा है। आईलीग के अलावा शुरु हुआ इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) भी एक अच्छे स्तर का टूर्नामेंट है। अच्छे स्टेडियमों में इसका आयोजन हो रहा है। इसके मैदान ओर रेफरी भी काफी बेहतर स्तर वाले हैं। जोसेफ अपने तेजी से गोल करने के अंदाज के कारण कैरिबियाई फुटबॉल में छाये हुए हैं।

अब बॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आ सकते धवन

मुम्बई। आईपीएल में इस बार पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन आने वाले समय में बॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आ सकते हैं। धवन अभी विज्ञापनों में आते रहे हैं। वहीं कहा जा रहा है कि गब्बर के नाम से लोकप्रिय इस बल्लेबाज को अब एक फिल्म मिली है। इस रिपोर्ट के अनुसार, 'धवन ने कुछ समय पहले ही फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है हालांकि, अब तक फिल्म का नाम सामने नहीं आया है।

फिटनेस को लेकर रवि शास्त्री की इस गेंदबाज के साथ होती थी बहस, बोले- खिलाड़ी ने गंवा दिए 50 टेस्ट विकेट!

मुंबई (एजेंसी)।

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मौजूदा सत्र काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। शुरुआती दो मुकाबलों में मिली हार के बाद हैदराबाद ने लगातार पांच मुकाबलों में सफलता हासिल की लेकिन जैसे ही टीम टॉप-4 की प्रमुख दावेदार बन गई, ठीक वैसे ही उन्हें मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि हैदराबाद ने अपने आखिरी मुकाबले में हार का सिलसिला तोड़ते हुए मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत दर्ज की।

मौजूदा सत्र में हैदराबाद का सबसे मजबूत पक्ष उनकी आक्रामक गेंदबाजी रही। उमरान मलिक, टी नटराजन और भुवनेश्वर कुमार जैसे गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। सबसे शानदार प्रदर्शन तो उमरान मलिक का रहा। उन्होंने सबसे तेज गेंदबाजी करने का रिकॉर्ड बनाया। उमरान मलिक ने 157 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद डाली। जबकि टी नटराजन और भुवनेश्वर कुमार में निरंतरता दिखाई दी। उमरान मलिक (21 विकेट) और टी नटराजन (18 विकेट) सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में टॉप 10 में शामिल हैं। हालांकि भुवनेश्वर कुमार ने 12 विकेट चटकाकर किफायती गेंदबाजी की है।

मुंबई के खिलाफ भुवनेश्वर कुमार ने 19वें ओवर में मुकाबला हैदराबाद के पाले में लाकर पलट दिया। जब उन्होंने ओवर मेडन तो डाला ही साथ ही साथ एक विकेट भी हासिल किया था। जिसकी बदौलत मुंबई 3 रन से मुकाबला हार गई।

सभी प्रारूपों में नियमित हो सकते हैं कुमार

इसी बीच भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भुवनेश्वर कुमार के प्रभावशाली प्रदर्शन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वो अक्सर फिटनेस को लेकर सीनियर पेसर से बहस किया करते थे। वहीं रवि शास्त्री का मानना है कि फिट रहने पर भुवनेश्वर कुमार सभी प्रारूपों में भारत के लिए नियमित हो सकते हैं।

अंग्रेजी न्यूज वेबसाइट 'हिन्दुस्तान टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, रवि शास्त्री ने भुवनेश्वर कुमार को लेकर ईएसपीएन क्रिकइन्फो को बताया कि मैं बिल्कुल भी हैरान नहीं हूं। जब भी मैं भुवी (भुवनेश्वर कुमार) से मिलता हूं, मेरी उनसे बहस हो जाती है। मैं कहता हूं, अगर वो सिर्फ अपनी फिटनेस पर ध्यान दे और कड़ी मेहनत करें... तो खेल के सभी प्रारूपों में उनका अनुभव और क्षमता उल्लेखनीय है। हर बार जब हमने इंग्लैंड या न्यूजीलैंड का दौरा किया तब यह लड़का अनफिट था। उन्होंने आगे बताया कि मैंने कहा, आपने पिछले कुछ सालों में 50 लाल गेंद के विकेट गंवा दिए हैं। अगर वह फिट रहते तो वह भारतीय टीम में एक स्वचालित पसंद हैं।

भुवनेश्वर कुमार ने भारतीय टीम के लिए आखिरी टेस्ट मुकाबला 24 जनवरी, 2018 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उसके बाद उन्हें कोई भी टेस्ट मुकाबला खेलने का मौका नहीं मिला। साउथ अफ्रीका के खिलाफ विदेशी जमीन में खेले गए अपने आखिरी टेस्ट मुकाबले में उन्होंने 4 विकेट चटकाए थे।

भारत वहां उम्मीद बन रहा है, जहां समस्या है, वहां समाधान पेश कर रहा : पीएम मोदी

वड़ोदरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना और वैश्विक अशांति व संघर्षों के बीच एक 'सामर्थ्यवान राष्ट्र के रूप में भारत की भूमिका का उल्लेख कर कहा कि देश आज दुनिया की 'नई उम्मीद के रूप में उभरा है और वह समस्याओं का समाधान पेश कर रहा है। वड़ोदरा शहर में कुंडलधाम स्थित स्वामीनारायण मंदिर और करेलीबाग के स्वामीनारायण मंदिर द्वारा आयोजित 'युवा शिविर को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह एक इसतरह के नए भारत के निर्माण में जुटे हैं, जिसकी पहचान नई हो, जो भविष्य की ओर देखता हो लेकिन उसकी परम्पराएं प्राचीन हों।

उन्होंने कहा, ऐसा नया भारत, जो नई सोच और सदियों पुरानी संस्कृति, दोनों को एक साथ लेकर आगे बढ़े, पूरी मानवजाति को दिशा दे। जहां चुनौतियां बड़ी हैं, भारत वहां उम्मीद बन रहा है, जहां समस्या है, भारत वहां समाधान पेश कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा, 'कोरोना संकट के बीच दुनिया को टीके और दवाइयां पहुंचाने से लेकर बिखरी हुई आपूर्ति श्रृंखला के बीच आत्मनिर्भर भारत की उम्मीद तक, वैश्विक अशांति और संघर्षों के बीच शांति के लिए एक सामर्थ्यवान राष्ट्र की भूमिका तक, भारत आज दुनिया की नई उम्मीद है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत ही है, जो इसके समाधान को नेतृत्व दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत आज पूरी मानवता को योग का रास्ता दिखा रहा हैं और उसे आयुर्वेद की ताकत से परिचित करवा रहा है। उन्होंने कहा, 'हम सॉफ्टवेयर से लेकर स्पेस तक, एक नए भविष्य के

लिए तत्पर देश के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने भारत की सफलताओं का श्रेय देश के युवाओं के सामर्थ्य को दिया और बढ़ती जनभागीदारी का जिक्र करते हुए कहा कि पहले जो लक्ष्य असंभव माने जाते थे, भारत उन क्षेत्रों में आज बढ़िया प्रदर्शन कर रहा है। इस दौरान पीएम मोदी ने स्टार्टअप का उल्लेख कर कहा कि इस क्षेत्र में भारत आज दुनिया दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम है और इसका नेतृत्व भी देश के युवा ही कर रहे हैं।

गुजरात कांग्रेस के नेताओं ने नरेश पटेल से मुलाकात की, कांग्रेस जॉइन करने पर स्थिति साफ नहीं

राजकोट। हार्दिक पटेल के कांग्रेस से इस्तीफा के बाद गुजरात कांग्रेस ने अब पाटीदार समाज के कद्दावर और खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटेल को अपने पाले में लाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इसके अंतर्गत आज नरेश पटेल के राजकोट स्थित फार्महाउस में गुजरात कांग्रेस के नेताओं ने मुलाकात भी की। शायद नरेश पटेल से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर 10 मिनट की चर्चा के बाद कांग्रेस नेता वहां से रवाना हो गए। मुलाकात के बाद कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वह नरेश पटेल के यहां चाय-नाश्ता करने आए थे। बता दें कि नरेश पटेल के राजनीति में प्रवेश को लेकर पिछले काफी समय से चर्चा चल रही है। लेकिन नरेश पटेल ने अब भी अपने पत्ते नहीं खोले हैं कि वह किस दल में शामिल होकर राजनीति में कदम रखेंगे। भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेताओं से नरेश पटेल की मुलाकात हो चुकी है। आम आदमी पार्टी की तो नरेश पटेल तारीफ भी कर चुके हैं। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से नरेश पटेल की मुलाकात कर चुके हैं। किसी न किसी कार्यक्रम में भाजपा नेताओं से नरेश पटेल की मुलाकातों का सिलसिला जारी है। बुधवार को हार्दिक पटेल के इस्तीफे के बाद गुजरात कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ठाकोर, प्रभारी रघु शर्मा, विधायक परेश धानाणी, ललित वसोया और ललित कथगरा ने गुरुवार को राजकोट में नरेश पटेल से उनके फार्महाउस पर मुलाकात की। इस मुलाकात में नरेश पटेल से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने से कांग्रेस नेताओं की नाराजगी सामने आई है। हांलाकि जगदीश ठाकोर ने अपना बचाव करते हुए कहा कि हम तो नरेश पटेल के साथ केवल चाय-नाश्ता करने आए थे और इस मुलाकात में पार्टी के बारे में कोई चर्चा नहीं की गई। कांग्रेस विधायक परेश धानाणी ने कहा कि आज हम पाटीदार समाज के मुखिया से मिलने आए थे। नरेश पटेल हमारे बुजुर्ग हैं और उनके यहां चाय-नाश्ता करने आए थे। कांग्रेस पवित्र गंगा जैसी निर्मल है और उसमें अच्छे लोग आएं ऐसी हमारी इच्छा है।

कांग्रेस छोड़ने के बाद हार्दिक पटेल ने निकाली भड़ास, कहा-कांग्रेस भरोसेयोग्य नहीं

अहमदाबाद। गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी समेत प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद हार्दिक पटेल ने आज अपनी भड़ास निकाली और कांग्रेस खूब खरी-खोटी सुनाई। पत्रकार परिषद में हार्दिक पटेल ने गुजरात के लोगों से अनुरोध किया कि वह कांग्रेस पर भरोसा ना करें। मैंने अपने तीन साल बर्बाद कर दिए हैं, उसका मुझे अफसोस है। हार्दिक ने कहा कि मैंने अपने घर पैसे कांग्रेस पर खर्च कर दिए हैं, लेकिन आज पार्टी छोड़ने के बाद उल्टी-सीधी बातें की जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि युवक कांग्रेस में चुनाव के लिए 5 करोड़ की उगाही की जाती है। कांग्रेस में सभी जातियों को अपमानित किया जाता है। हमारी रैलियां निष्फल बनाने की कांग्रेस नेता ही साजिश करते थे। एक-दो लोग कांग्रेस छोड़े तो माना जा सकता है कि वह बिक गए, लेकिन एक के बाद एक कई लोगों के पार्टी छोड़ने पर सवाल उठना लाजमी है। पार्टी में रहकर अगर कोई भी आवाज उठाता है तो उसके बिक जाने का आरोप लगाया जाता है। सही बात कहने पर कांग्रेस में बदनामी मिलती है। उन्होंने कहा कि अब तक कई लोग कांग्रेस छोड़ चुके हैं और कई विधायक अब भी पार्टी से नाराज हैं। अगर कोई कांग्रेस में कोई मजबूत नेता बड़ा नेता बनने का प्रयास करता है तो उसे साइडलाइन कर दिया जाता है। काफी दुख के साथ मैंने कांग्रेस से इस्तीफा दिया है। उन्होंने कहा कि मेरे पिता के निधन पर कांग्रेस के एक भी बड़े नेता ने खबर अंतर नहीं ली। भाजपा में शामिल होने के सवाल पर हार्दिक पटेल ने कहा कि फिलहाल उन्होंने ऐसा कोई फैसला नहीं किया है और जब भी करूंगा तो आपको जरूर बताऊंगा। गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा को भी हार्दिक पटेल ने आडे हाथ लिया। उन्होंने कहा कि सचिन पायलट ने उपचुनाव में रघु शर्मा की जीत के लिए मदद की थी। लेकिन सचिन पायलट को मदद को जरूरत पड़ी तो रघु शर्मा भाग खड़े हुए। हार्दिक पटेल ने कहा कि उन्होंने राम मंदिर, सीएए और एनआरसी का विरोध नहीं करने को कहा था। राम मंदिर के मुद्दे पर कांग्रेस मौन धारण कर लिया और वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर में शिवलिंग मिलने पर भी कांग्रेस ने कोई स्टेन्ड नहीं लिया। खोडलधाम के प्रमुख नरेश पटेल को लेकर कांग्रेस के रुख पर भी हार्दिक पटेल ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नरेश पटेल के साथ कांग्रेस केवल मुलाकात का दिखावा करते थे। केवल 10 मिनट में मुलाकात कर भाग जाने का आखिर मतलब क्या है? हार्दिक पटेल ने राहुल गांधी पर भी बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी गुजरात आते हैं, परंतु गुजरात की समस्या पर कोई चर्चा नहीं करते। जातिवाद से

परे हटकर कभी कांग्रेस में बात होती नहीं है। केवल और केवल किस व्यक्ति को कहां रखने पर जातिवाद के आधार पर फायदा होगा इसकी चर्चा की जाती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 से 2019 तक ईमानदारी से अनेक लोगों के अधिकार के लिए आंदोलन किया था। सरकार के विरोध में किए गए आंदोलन के चलते गैर आरक्षित वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण दिलाने का काम किया था।

हार्दिक पटेल ने कहा, अभी बीजेपी में शामिल होने का फैसला नहीं लिया

अहमदाबाद । गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ठाकोर ने मोरबी के हलवद जीआईडीसी की नमक फैक्ट्री की दुर्घटना को लेकर राज्य की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जगदीश ठाकोर ने कहा कि भाजपा सरकार की अक्षम और भ्रष्ट नीतियों के कारण हजारों श्रमिक खतरे के बीच काम करने को मजबूर हैं और ऐसे में कई बार अपनी जान गंवा देते हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर श्रमिकों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है? यूनिट मालिक और जीआईडीसी प्रबंधन के बीच सांठगांठ के कारण प्रशासन जान बूझकर अंजान बन रहा है। गुजरात के उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ के समान हैं, परंतु औद्योगिक सुरक्षा के नीति-नियमों का उल्लंघन करने के कारण लाखों गुजरातियों का जीवन संकट में है। मोरबी के हलवद जीआईडीसी की नमक फैक्ट्री में दीवार ढहने से 12 श्रमिकों की मौत हृदयविदारक घटना है। बार बार औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों की मौत होती है और सरकार केवल दो शब्द बोलकर घडियाली आंसू बहाती है। अहमदाबाद, सूरत वडोदरा में श्रमिकों की दर्दनाक मौत के बाद भी सरकार की आंखें नहीं खुली। क्या श्रमिकों की सुरक्षा करना सरकार कर्त्तव्य नहीं है? ऐसी घटनाओं पर श्रम एवं रोजगार विभाग मौन क्यों है? क्या सरकार की संवेदनशीलता केवल घोषणा करने तक ही सीमित है? कांग्रेस की मांग है कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्यवाही की जाए। हलवद की घटना के बाद मोरबी जिला कांग्रेस समिति के प्रमुख जयंति पटेल, तहसील प्रमुख डॉ. केएम राणा समेत नेताओं ने घटनास्थल का दौरा किया और मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। साथ ही दुर्घटना के घायलों को शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामना दी। इस घटना को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी है और दर्दनाक हादसे में घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

25000 छात्रों को रक्षक ग्रुप द्वारा दिया जाएगा स्कूल बैग

सूरत भूमि, सूरत। रक्षक ग्रुप के प्रमुख गौरव पटेल के द्वारा एक मुहिम शुरू की गई। जब वह इस सोच के साथ आए थे तो अकेले ही थे लेकिन धीरे धीरे कारवां बढ़ता गया एक के साथ एक लोग जुड़ते गए और आज रक्षक ग्रुप के द्वारा 25000 छात्रों को निशुल्क में स्कूल बैग दिया जाएगा। सबका साथ सबका विकास के साथ रक्षक ग्रुप के प्रमुख गौरव पटेल ने लोगों से अपील की आपके पास जो पुरानी जींस पैंट है उसको रक्षक ग्रुप को दिया जाए जिसके फलस्वरूप रक्षक ग्रुप द्वारा उन पुरानी जींस की पेंट से स्कूल बैग तैयार किया जाएगा। धीरे-धीरे लोग इस मुहिम में जुड़ते गए और इस समय लगभग 25000 से ज्यादा पुरानी जींस के पेंट के बैग तैयार हैं जल्द ही दक्षिण गुजरात के स्कूलों में दिया जाएगा। जिससे कि बच्चों को पढ़ाई करने में किसी भी असुविधा का सामना ना करना पड़े।

मनोदिव्यांग लोगों की देखभाल करना यह समाज की नैतिक ज़िम्मेदारी: मुख्यमंत्री

अरवल्ली । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल अपने मृदु मितभाषी, सरल और मानवीय व्यवहार से गुजरात के लोगों के बीच 'हमारे भूपेंद्रभाई' के रूप में लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। अरवल्ली में बायड तहसील स्थित जय अंबे मंदबुद्धि महिला संस्था की मनोदिव्यांग महिलाओं को भी गुरुवार को मुख्यमंत्री की इस सहज संवेदना की अनुभूति हुई, जब भूपेंद्र पटेल इस संस्था की मुलाकात पर पहुँचे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अरवल्ली के दौरे पर थे तथा इस दरमियान उन्होंने विशेष समय निकालकर मनोदिव्यांग महिला केंद्र की मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने संस्था की मनोदिव्यांग महिलाओं के साथ पिता तुल्य वात्सल्य भाव से बातचीत की। उन्होंने संस्था द्वारा यहाँ महिलाओं की दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी हासिल की। साथ ही संस्था के एक-एक स्थान की मुलाकात लेकर सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने इस संवेदनापूर्ण दौरे के दौरान संस्था की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए आनंद व्यक्त किया। उन्होंने संस्था के ट्रस्टियों से इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की कि मनोदिव्यांग महिलाएँ यहाँ तक कैसे पहुँचती हैं ? मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि समाज में कई ऐसे लोग हैं, जिनकी सोचने-समझने की शक्ति उम्र के अनुपात में बहुत कमज़ोर है। ऐसे लोगों की देख-भाल व सेवा करना समाज का नैतिक दायित्व है। 'जय अंबे मंदबुद्धि समाज सेवा ट्रस्ट' ऐसी महिलाओं की सेवा, देख-भाल करता है। उन्होंने कहा कि ऐसी संस्थाओं के कार्य और मुलाकात जन सेवा के लिए नई प्रेरणा देता है। उल्लेखनीय है कि 'जय अंबे मंदबुद्धि महिला समाज सेवा ट्रस्ट' उन मनोदिव्यांगों को आश्रम लाकर उनकी देख-भाल करता है, जिनके कोई अभिभावक, सगे-संबंधी नहीं होते है। सड़कों पर भटकने वाली ऐसी महिलाओं को सरकार की अभयम् टीम की मदद से आश्रम में शरण दी गई है। अभी तक 350 से अधिक महिलाओं को यहां शरण दी गई है। कई किस्सों में हाथ-पैर तथा सिर के भाग में कीड़े पड़ जाते है और शारीरिक रूप से अत्यंत कमज़ोर हो चुकी महिलाओं को भी यहाँ लाकर उनका उपचार किया जाता है। 170 बहनों को मानसिक रोग की दवाई, स्नेह, प्रेम देकर सफलता पूर्वक उनका परिवार

के साथ मिलन कराया गया है। संस्था द्वारा बीमार अथवा कमज़ोर व्यक्तियों का उपचार भी किया जाता है। संस्था द्वारा अभी तक पुलिस द्वारा सौंपे गए 17 लावारिश मृतदेहों का अंतिम संस्कार भी किया गया है। संस्था में शरण लेने वाली मनोदिव्यांग बहनों ने भी मुख्यमंत्री की इस मुलाकात तथा उनके साथ किए सरल संवाद के मनोभाव को अपने विशेष लक्षणों से व्यक्त किया।

"अपने अपने राम" कार्यक्रम के लिए अयोध्या के भव्य मंदिर जैसा 25000 स्क्वेयर फुट जगह में 108 ऊंचा हुबहू सेट तैयार

सूरत भूमि, सूरत। भगवान श्रीराम के जीवन से रूबरू होने का अवसर आज की पीढ़ी को मिले इस उद्देश्य के साथ उत्सव फाउंडेशन की ओर से आयोजित "अपने अपने राम" कार्यक्रम की शुक्रवार से शुरुआत होगी। इसके लिए वीएनएसजीयू की समरस हॉस्टल के ग्राउंड पर अयोध्या में निर्माणाधीन भव्य राम मंदिर की तर्ज पर 25000 स्क्वेयर फुट जगह में 108 फुट ऊंचा सेट तैयार किया गया है, जो हर किसी के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को उपस्थित रहने की उत्सव फाउंडेशन की ओर से अपील की गई है और सभी के लिए प्रवेश निशुल्क रखा गया है।

आज से दो दिन विश्व विख्यात रामकथा मर्मज्ञ डॉ. कुमार विश्वास देंगे संगीतमय प्रस्तुति, सभी के लिए निशुल्क प्रवेश

हार्दिक पटेल ने व्यक्तिगत लाभ के लिए कांग्रेस पार्टी छोड़ी है : जगदीश ठाकोर

अहमदाबाद। हार्दिक पटेल ने कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद आज पत्रकार परिषद में कांग्रेस के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। हार्दिक पटेल के वार पर गुजरात कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर ने पलटवार किया। जगदीश ठाकोर ने कहा कि हार्दिक पटेल ने व्यक्तिगत लाभ के लिए कांग्रेस छोड़ी है। हार्दिक पटेल चाहते थे कि उनके लोग युवक कांग्रेस में, महिला कांग्रेस चाहिए। हार्दिक पटेल की ऐसी मांगें पूरा करना संभव नहीं था। पार्टी किसी एक व्यक्ति से नहीं बल्कि सामूहिक निर्णय से चलती है। कहीं छोटी-मोटी समस्या होती है तो उसका फैसला कर लिया जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले एक-दो महीने से हार्दिक पटेल जिस प्रकार बयानबाजी कर रहे थे, उससे कांग्रेस छोड़ने के उनके इरादे स्पष्ट हो गए थे। हार्दिक पटेल के खिलाफ जो मुकद्दमे चल रहे थे और उसमें जमानत मिलने के बाद से वह भाजपा नेताओं के साथ संपर्क में थे और उसके बारे में कांग्रेस को पूरी जानकारी थी। हांलाकि हमें यकीन था कि हार्दिक हमारे साथ हैं और पार्टी के प्रति वफादार रहेंगे। जनरल डायर शब्द का उपयोग करने वाले कभी जनरल डायर की शरण में नहीं जाएंगे या फिर लंबी सजा से बचने के लिए भी वह कोई समाधान नहीं करेंगे। हार्दिक पटेल एक चेहरा बने थे जो समाज के लिए एक अच्छा चेहरा थे। जो किसी भी सूरत में सरेंडर नहीं कर सकता, ऐसा पूरा विश्वास था। इसीलिए हम बातचीत के जरिए समाधान रास्ता खोज रहे थे। बता दें कि बुधवार को हार्दिक पटेल ने गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख समेत पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद आज पत्रकार परिषद की। जिसमें कांग्रेस को गैरभरोसे लायक पार्टी बताते हुए कहा कि वह केवल जातिवाद को बढ़ावा देती है और व्यक्ति का दुरुपयोग कर उसे फेंक देती है।

हांलाकि आज पत्रकार परिषद में हार्दिक पटेल ने यह नहीं बताया कि वह किस पार्टी को जॉइन करेंगे। भाजपा जॉइन करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस बारे में उन्होंने कोई फैसला नहीं किया। हार्दिक पटेल भले ही फिलहाल भाजपा जॉइन करने से इंकार कर रहे हों लेकिन पिछले दिनों के उनके कुछ बयानों को देखें तो इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि वह भाजपा में शामिल ना हों। राम मंदिर, सीएए-एनआरसी और धारा 370 पर हार्दिक पटेल ने कांग्रेस की खामोशी पर सवाल उठाए थे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)